राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–25 | अंक–03 | सितम्बर, 2024 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य–₹ 15

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य स्मृति चिन्ह भेंट कर राज्यपाल महोदय का अभिनन्दन करते हुए

भारत स्काउट व गाइड पदाधिकारियों की नव–नियुक्त राज्यपाल श्रीयुत हरिभाऊ बागडे से शिष्टाचार भेंट

राजभवन की चित्रमय झलकियाँ

माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे को अभिवादन कर स्कार्फ पहनाते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे को गुलदस्ता भेंट करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं राज्य आयुक्त डॉ. अखिल शुक्ला

माननीय राज्यपाल महोदय को भारत स्काउट गाइड का संरक्षक बैज पहनाते हुए राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 25 अंक : 03
सितम्बर, 2024

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
राज्यपाल को भारत स्काउट गाइड संरक्षक बैज	5
राज्य मुख्यायुक्त की नागौर विज़िट	6
भारत स्काउट व गाइड निदेशक की जयपुर यात्रा	6
स्वाधीनता दिवस पर मुख्यमंत्री को सलामी	7
पंचायतीराज राज्य मंत्री द्वारा 20 लाख की घोषणा	7
राज्य मुख्य आयुक्त द्वारा झण्डारोहण	8
राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय	8
कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण	9
राज्य कार्यकारिणी समिति सभा	10
स्काउट-गाइड केम्प एक अनुभूति	11
चित्र विथिका	12
स्वैच्छिक रक्तदान	13
गतिविधि दर्पण	14
पर्यावरण संरक्षण : सीख पक्षियों की	23
हमारे महापुरुष : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	24
हमारा स्वास्थ्य : बीमारियों का घर : मोटा शरीर	26
पर्यटन स्थल : भीलवाड़ा	28
दक्षता पदक	29
गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क		आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/-	संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

समाज के शिल्पकार : शिक्षक

"शिक्षक राष्ट्र की संस्कृति के चतुर माली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से सींचकर उन्हें शक्ति में निर्मित करते हैं।"

उक्त कथन कहने वाले महर्षि अरविंद का मानना था कि किसी राष्ट्र के वास्तविक निर्माता उस देश के शिक्षक होते हैं। हमारे पूर्व राष्ट्रपति व महान वैज्ञानिक आदरणीय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने स्वयं को शिक्षक के रूप में याद किया जाना पसंद किया था। इस प्रकार एक विकसित, समृद्ध और खुशहाल देश व विश्व के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका ही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होती है।

एक अच्छा शिल्पकार किसी भी प्रकार के पत्थर को तराश कर उसे सुन्दर आकृति का रूप दे देता है। किसी भी सुन्दर मूर्ति को तराशने में शिल्पकार की बहुत बड़ी भूमिका होती है। शिल्पकार की भाँति ही हमारे स्काउट गाइड शिक्षकों का भी यह प्रथम दायित्व एवं कर्त्तव्य है कि वह अपने यहाँ प्रशिक्षणार्थी सभी बच्चों को इस प्रकार से संवारे और सजाये कि उनके द्वारा शिक्षित किये गये सभी बच्चे 'समाज का गौरव' बनकर पूरे समाज को अपनी रोशनी से प्रकाशित कर सकें।

प्रत्येक बच्चा पढ़–लिख कर एक अच्छा डॉक्टर, इंजीनियर, अधिकारी इत्यादि बनने का तो सपना संजोता ही है, परन्तु सामाजिक ज्ञान के अभाव में बच्चा समाज को सही दिशा देने में असमर्थ रहता है तो वहीं दूसरी ओर मूल्यपरक व्यवहारिक ज्ञान के अभाव में वह गलत निर्णय लेकर अपने साथ ही अपने परिवार, समाज, देश तथा विश्व को भी विनाश की ओर ले जाने का कारण भी बन जाता है। इसलिए हमारे संगठन को बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए प्रत्येक बच्चे को एक सभ्य समाज में रहने के लिए सर्वोत्तम सामाजिक शिक्षा तथा एक सुन्दर एवं सुरक्षित समाज के निर्माण के लिए बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लेने के लिए सर्वोत्तम मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करने का कर्तव्य पूरी इमानदारी से निभाना है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को याद करते हुए आप सभी को शिक्षक एवं साक्षरता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

15 अगस्त, 2024 को हम सभी ने अपना 78वां स्वाधीनता दिवस मनाया। इस पावन पर्व के अवसर पर राज्य, जिला एवं स्थानीय संघ स्तर पर समारोह आयोजित कर हमारे राष्ट्रीय नेताओं, क्रान्तिकारियों और देशभक्तों के जुझारू व सामूहिक प्रयत्नों तथा बलिदान के फलस्वरूप हमें मिली आजादी के लिए स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने अपने लीडर्स के नेतृत्व में इनके बलिदान को याद किया और देश के विकास में योगदान देने का संकल्प लिया। स्काउट गाइड रोवर रेंजर्स ने तिरंगे झण्डे को सलामी दी और मार्चपास्ट कर कर्तव्य पालन हेतु प्रतिज्ञाओं का दोहरान किया। राष्ट्र सेवा व देश के उत्थान के लिए अपने संकल्पों को दोहराया। हमें सदैव ये याद रखना चाहिए कि इतना ही करने से अपने देश के प्रति कर्तव्य पालन की इतिश्री नहीं मानी जा सकती है। हम वर्दीधारी संगठन के सजग प्रहरी हैं, जो राष्ट्र सेवा के लिए प्रशिक्षित और दीक्षित हैं। इसलित हमें राष्ट्र की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही है।

स्वाधीनता दिवस के पूर्व प्रत्येक जिले व स्थानीय संघ के तत्वाधान में स्काउट गाइड ने तिरंगा यात्रा निकाल कर माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान की पालना कर देश–भक्ति के जज़्बे को जागृत करते हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका निभा कर देश के सच्चे व सजग प्रहरी होने का गौरव प्राप्त किया।

मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता है कि स्वाधीनता दिवस के अवसर पर प्रदेश संगठन के सदस्यों ने देश की समृद्धि व खुशहाली के लिए पर्यावरण संरक्षण व संवर्द्धन के क्षेत्र में भी बढ़ चढ़कर कार्य किये। स्काउट गाइड ने अपने घरों, विद्यालयों व सार्वजनिक उद्यानों में पौधारोपण कर देश के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में अपनी सार्थक भूमिका निभाते हुए प्रदेश को हरा–भरा करने में भी अपना योगदान दिया।

संगठन के सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

राज्यपाल को भारत स्काउट गाइड संरक्षक बैज

युवा राष्ट्र निर्माण में बनें सहयोगी –राज्यपाल

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य की अगुवाई में स्काउट गाइड शिष्टमंडल ने 31 अगस्त, 2024 को जयपुर स्थित राजभवन में राजस्थान के नव नियुक्त राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे जी को संरक्षक बैज से अलंकृत करते हुए शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर राजस्थान भारत स्काउट व गाइड के राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने माननीय राज्यपाल महोदय को प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के संरक्षक बैज से अलंकृत किया। इससे पूर्व राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने स्कार्फ पहना कर स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा राज्य आयुक्त डॉ. अखिल शुक्ला ने पुष्प गुच्छ भेंट कर माननीय राज्यपाल महोदय का स्वागत व अभिनंदन किया।

माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने स्काउटिंग द्वारा प्रदेश में किए जा रहे कार्यों पर विस्तृत चर्चा की और प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की दिशा में अग्रसर करने और राष्ट्र को मजबूत बनाने में ऐसे ही सह–शैक्षिक संगठन की आवश्यकता है। श्री बागडे ने कहा कि देश की समृद्धि के लिए युवा युवतियों को राष्ट्र निर्माण में सहयोगी बनना होगा।

इस अवसर पर श्री निरंजन आर्य ने महामहिम राज्यपाल को स्काउट गाइड संगठन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रदेश की अभिनव व नवीन गतिविधियों एवं प्रदेश के स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा सुगम मतदान, पर्यावरण चेतना, सघन वृक्षारोपण, स्वच्छ भारत अभियान इत्यादि में किए जा रहे विशिष्ट कार्यों से अवगत कराया।

इस अवसर पर राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य, राज्य आयुक्त (हैडक्वाटर्स) डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्ना लाल एवं राज्य संगठन आयुक्त सुयश लोढ़ा उपस्थित थे।

राज्य मुख्यायुक्त की नागौर विज़िट

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य द्वारा 28 जुलाई 2024 को नागौर जिले की विज़िट की गई। श्री आर्य के नागौर सर्किट हाऊस आगमन पर स्वागत हेतु जिला मुख्यालय के सी.ओ. स्काउट मोहम्मद असफाक पँवार व सी.ओ. गाइड मीनाक्षी भाटी के साथ स्थानीय पदाधिकारी जिला कमिशनर (व्यस्क संसाधन) श्रीमती प्रमिला यादव, सचिव स्थानीय संघ नागौर श्री राजेश देवड़ा, कोषाध्यक्ष स्थानीय संघ नागौर श्री दिनेश कुमार, कोषाध्यक्ष स्थानीय संघ खींवसर श्री राजेश फूलवारिया, ट्रेनिंग काउन्सलर मारवाड़ मुंडवा श्री धर्मा राम कड़वासरा, ट्रेनिंग काउन्सलर नागौर श्री परमेश्वर राम, रोवर लीडर नागौर श्री राम प्रसाद, ट्रेनिंग काउन्सलर नागौर श्री सतीश त्रिपाठी, ट्रेनिंग काउन्सलर खींवसर श्री प्रवीण मीणा, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड नागौर श्रीमती सुमनबाला व रोवर रेंजर उपस्थित हुए। स्काउटर गाइडर ने स्काउट परम्परा अनुसार स्कार्फ पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर माननीय राज्य मुख्य आयुक्त महोदय ने जिले के शिविरों व गतिविधियों को जानकारी ली और वर्ष पर्यन्त गतिविधियों के सक्रियता पूर्वक सम्पादन किये जाने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर श्री आर्य जिले के कब व स्काउट से भी मिले और उनसे बातचीत की तथा उज्ज्वल भविष्य हेतु उन्हें शुभाशिर्वाद प्रदान किया।

भारत स्काउट व गाइड निदेशक की जयपुर यात्रा

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली की निदेशक श्रीमती दर्शना पावसकर ने 23 अगस्त 2024 को जयपुर विजिट के दौरान राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा जयपुर पर संचालित राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय का विजिट किया।

निदेशक का विद्यार्थी स्काउट्स ने बधावा, गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त श्री पूरण सिंह शेखावत, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल, सी.ओ. स्काउट भाविक सुथार व विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। निदेशक महोदया ने विद्यालय के विद्यार्थियों से वार्ता की और विद्यालय में होने वाली गतिविधियों की जानकारी ली।

इससे पूर्व निदेशक श्रीमती पावस्कर ने राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्यालय पर राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य से भेंटवार्ता कर प्रदेश के स्काउटिंग गाइडिंग के संबंध में चर्चा कर यहां की अभिनव गतिविधियों के बारे में जाना।

स्वाधीनता दिवस पर मुख्यमंत्री को सलामी

राजस्थान राज्य भारत स्काउट में गाइड के तत्वावधान में राज्य स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह में स्काउट गाइड की प्लाटून द्वारा 15 अगस्त 2024 को एसएमएस स्टेडियम में परेड हेतु सहभागिता की गई।

परेड में जिला जयपुर से स्काउट गाइड व रोवर रेंजर द्वारा लगातार 25 दिन की अथक मेहनत व अभ्यास के बाद शानदार परेड का प्रदर्शन किया गया। परेड द्वारा मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा को सलामी दी गई।

मंडल मुख्यालय से नियुक्त प्रभारी ऋतु शर्मा सी.ओ. गाइड जयपुर ने बताया कि इस बार परेड स्थानीय संघ झोटवाड़ा के सचिव श्री नवदत्त सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई। परेड में कुल 48 स्काउट गाइड व रोवर रेंजर द्वारा सहभागिता की गई, जिसमें भवानी निकेतन महाविद्यालय से 20 रेंजर व 4 रोवर, राजकीय महिला महाविद्यालय विद्याधर नगर से 6 रेंजर, राजकीय महाविद्यालय जयपुर से 3 रोवर व 1 रेंजर, महात्मा गांधी गवर्नमेंट स्कूल विद्याधर नगर से 2 स्काउट, पिंक सिटी ओपन स्काउट ट्रूप के 3 स्काउट, खंडेलवाल कॉलेज से 2 रेंजर, विजय सेंट्रल एकेडमी से 3 रेंजर व एमजीडी ओपन रेंजर टीम से 4 रेंजर द्वारा सहभागिता की गई। सुभाष चंद्र सैनी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विद्याधर नगर व सुनील कुमारी गाइड कैप्टन राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय कालवाड़ द्वारा परेड के दौरान प्रशिक्षण में सहयोग प्रदान किया गया।

राज्य मुख्यालय पदाधिकारियों ने संभागियों द्वारा किए गए सफल प्रदर्शन हेतु बधाई प्रेषित की।

पंचायतीराज राज्य मंत्री द्वारा 20 लाख की घोषणा

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही का द्वितीय वार्षिक स्काउट गाइड अधिवेशन 10 अगस्त, 2024 को पंचायती राज राज्य मंत्री श्री ओटाराम देवासी के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सिरोही श्री हीरालाल माली की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर माननीय मंत्री श्री देवासी ने स्काउट गाइड जिला मुख्यालय पर 6 कमरे हट्स बनवाने के लिए 20 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की, जिसका निमार्ण कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होगा। प्रारंभ में सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने अतिथियों का स्वागत कर जिले का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा जिले में संचालित स्काउट गाइड गतिविधियों से अवगत कराया।

राज्य मुख्य आयुक्त द्वारा झण्डारोहण

स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने बजाज नगर स्थित राज्य मुख्यालय भवन पर प्रातः झंडा रोहण कर सभी अधिकारियों एवम कार्मिकों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं अर्पित की।

इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी सी जैन एवं संयुक्त राज्य सचिव श्री महेंद्र सिंह राठौड़ सहित सभी कार्मिक उपस्थित रहे और देश की आजादी में बलिदान देने वाले वीरों को याद करते हुए राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया।

राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य प्रशिक्षण केंद्र, जगतपुरा, जयपुर पर राजस्थान सरकार द्वारा संचालित राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय पर स्वतंत्रता दिवस समारोह राज्य मुख्य आयुक्त महोदय श्री निरंजन आर्य के मुख्य अतिथि में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

राज्य मुख्य आयुक्त महोदय श्री निरंजन आर्य द्वारा ध्वजारोहण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई एवं विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्र भक्ति की धुनों पर बैंड प्रदर्शन, शारीरिक कौशल को दर्शाते पिरामिड व अन्य तरह की गतिविधियों का प्रदर्शन किया। राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल द्वारा अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया गया। राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन द्वारा विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट एवं विद्यालय में संचालित गतिविधियों का जानकारी दी गई और गत सत्र 2023–24 के परीक्षा परिणाम में कक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। राज्य मुख्य आयुक्त महोदय द्वारा विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट पर प्रशंसा व्यक्त की एवं निर्देश प्रदान किए, जिससे विद्यालय की गतिविधियों को और गति मिले। विद्यालय प्रधानाचार्य श्री विनोद कुमार शर्मा द्वारा सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में संयुक्त राज्य सचिव श्री महेंद्र सिंह राठौड़, सी. ओ. स्काउट, विद्यालय स्टाफ एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

श्री टीकम चन्द बोहरा

श्री महेन्द्र कुमार पारख

डॉ. पी.सी. जैन

कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण

'एक पेड़ माँ के नाम'

डॉ. अखिल शुक्ला

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य के नेतृत्व में स्काउट कार्यकारिणी सदस्यों ने किया वृक्षारोपण

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के राज्य कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य के नेतृत्व में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा संचालित "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत जगतपुरा स्थित राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय के छात्रों के साथ मिलकर राज्य प्रशिक्षण जगतपुरा, जयपुर पर 251 पौधे लगाये गए।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित राज्य कार्यकारिणी बैठक राज्य प्रशिक्षण केन्द्र जगतपुरा, जयपुर पर आयोजित की गई। इस अवसर पर कार्यकारिणी के उपस्थित सभी सदस्यों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य, संयुक्त शासन सचिव (राज्य आयुक्त) श्री टिकम चन्द बोहरा, राज्य आयुक्त (एडल्ट रिसोर्स) श्री महेन्द्र पारख, राज्य आयुक्त (हैडक्वाटर्स) डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, सहायक स्टेट कमिश्नर श्री आलोक शर्मा, श्री प्रदीप शर्मा, श्री विमल चौहान एवं श्रीमती शकुन्तला वैष्णव एवं अन्य राज्य पदाधिकारी एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत फल व छायादार वृक्ष लगाए। इस मौके पर स्काउट आवासीय विद्यालय के छात्रों द्वारा 200 पौधे लगाए गये।

इस अवसर पर राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य द्वारा भारत स्काउट गाइड संगठन द्वारा माह अगस्त, सितम्बर में स्काउट गाइड द्वारा सघन वृक्षारोपण किये जाने हेतु आह्वान किया गया।

राज्य कार्यकारिणी समिति सभा

7 अगस्त, 2024 जगतपुरा-जयपुर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य संगठन की राज्य कार्यकारिणी समिति की सभा 7 अगस्त, 2024 को सांयः 3:30 बजे स्काउट गाइड राज्य प्रशिक्षण प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा–जयपुर पर स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मीटिंग से पूर्व जगतपुरा प्रशिक्षण केन्द्र परिसर में राजस्थान सरकार के सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम 'एक पेड़ माँ के नाम' के अन्तर्गत माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर सहित उपस्थित कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा पौधारोपरण का पुनीत कार्य किया गया।

मीटिंग में स्टेट कमिश्नर (वयस्क संसाधन) श्री महेन्द्र पारख,स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) श्री टीकमचन्द बोहरा, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, संयुक्त राज्य सचिव श्री महेन्द्र सिंह राठौड़, सहायक स्टेट कमिश्नर (स्काउट) श्री आलोक शर्मा, श्री विमल चौहान, श्री प्रदीप कुमार शर्मा, सहायक स्टेट कमिश्नर (गाइड) श्रीमती शकुन्तला वैष्णव, डॉ. सुषमा सिंघवी, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरणसिंह शेखावत, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री बन्ना लाल, कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढा, लीडर ट्रेनर श्री विनोद मेहरा, श्री लाजपत राय कुमावत, श्री हीरानाथ गोस्वामी, सुश्री दया मेघानी, श्रीमती सुशीला उपाध्याय, श्रीमती अंजना शर्मा एवं अध्यक्ष, यूथ कमेटी, जयपुर श्री उमाकान्त शर्मा आदि सदस्यों की उपस्थिति रही।

प्रार्थना के उपरान्त राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन द्वारा सभी सदस्यों का शाब्दिक स्वागत किया तथा गत कार्यवृत की सदन द्वारा पुष्टि की गई। कार्यवृत की अनुपालना रिपोर्ट बिन्दुवार राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरणसिंह शेखावत द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसका सदन द्वारा अनुमोदन किया गया। संगठन का सत्र 2023–24 का संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

वित्त समिति की बैठक 02.08.2024 की अनुशंषाओं को राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया। सदन द्वारा सत्र 2023–24 के ऑडिटेड अकाउण्ट्स की पुष्टि तथा 2024–25 के आय–व्यय के स्वीकृत बजट का अनुमोदन किया गया।

अलंकार–पुरस्कार समिति की बैठक 19.07.2024 एवं रिव्यू बैठक दिनांक 29.07.2024 द्वारा चयनित अलंकार–पुरस्कारों की सूची श्री बन्नालाल, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) द्वारा प्रस्तुत की गई। जिसके आधार पर 8 को धन्यवाद बैज, 2 को बार टू मेडल ऑफ मेरिट, 5 को मेडल ऑफ मेरिट, 5 को 20 वर्षीय अलंकार, 17 को 15 वर्षीय अलंकार, 37 को 10 वर्षीय अलंकार तथा 2 को स्थानीय संघ सम्मान पत्र प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की।

अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरणसिंह शेखावत द्वारा मण्डल स्तरीय जिला मुख्यालयों पर नियुक्त जिला सचिव/जिला मुख्य आयुक्त, मण्डलों पर पदस्थापित सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट/गाइड) के वित्तीय/प्रशासनिक अधिकारों के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसे स्वीकृत करने हेतु सदन ने राज्य मुख्यायुक्त महोदय को अधिकृत किया। उक्त प्रस्ताव के अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से सदन में उपस्थित सदस्यों द्वारा अनेक सुझाव प्राप्त हुए।

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. अखिल शुक्ला ने सुझाव दिया कि सहायक राज्य संगठन आयुक्त/सर्कल ऑर्गेनाइजर मुख्यालय पर मूवमेंट रजिस्टर का संधारण करें। मूवमेंट रजिस्टर की कॉपी प्रति सप्ताह राज्य मुख्यालय भिजवाई जावे। विद्यालयों की कोटामनी जमा कराने हेतु स्थानीय संघ स्तर पर ऑनलाइन सिस्टम प्रारम्भ किया जावे।

भारत स्काउट व गाइड गतिविधियों का प्रचार–प्रसार किया जावे। स्थानीय जन प्रतिनिधि, संस्थाओं व विभागों के साथ मिलकर कार्य किया जावे। स्टेट कमिश्नर्स को जिलों/मण्डल का प्रभार दिया जावे, जिससे उनकी प्रभावी मॉनीटरिंग हो सकेगी।

स्टेट कमिश्नर (व.स.) श्री महेन्द्र पारख ने कहा कि हमें भारत स्काउट व गाइड संगठन की गतिविधि–कार्यक्रमों को बढ़ावा देना होगा, साथ ही गतिविधियों के प्रमाण पत्रों के लिए प्रचार–प्रसार करना होगा। संगठन द्वारा की जा रही गतिविधियों यथा साइकिल रैली, वृक्षारोपण, जन सेवा कार्य आदि में जन प्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों को आमंत्रित किया जाना चाहिए।

अन्त में माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम श्री महेन्द्र पारख को सूचना आयुक्त पद पर नियुक्त होने पर सदन की ओर से बधाई दी और कहा कि ये हमारे लिए गर्व की बात है कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन का सदस्य उच्च पद पर है। उन्होंने कहा कि पूर्व में पजीकृत ग्रुपों की संभाल स्थानीय संघ व सर्कल ऑर्गेनाइजर द्वारा विजिट कर की जावे तथा एक विद्यालय में एक से अधिक इकाइयों का पंजीकरण कराया जावे।

माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय ने कहा कि वर्ल्ड जम्बूरी, 2027 तथा राष्ट्रीय जम्बूरी की तैयारी प्रारम्भ करवाई जावे। साथ ही नव नियुक्त माननीय राज्यपाल महोदय को संरक्षक बैज व रिव्यू बैठक का पत्र भिजवाया जावे। उन्होंने सदस्यों द्वारा प्रस्तुत सुझावों पर क्रियान्विति किए जाने हेतु कहा तथा यह भी कहा कि संबंधित सदस्यों से प्राप्त सुझावों की क्रियान्विति से उन्हें भी अवगत कराया जावे तथा निर्देशित किया कि ऑर्गेनाइजर्स राज्य मुख्यालय की बिना पूर्व स्वीकृति के मुख्यालय नहीं छोड़ें।

राज्य भर में भारत स्काउट गाइड की गतिविधियाँ, वृक्षारोपण, स्वच्छता कार्यक्रम, हाईकिंग, एडवेंचर, समाज सेवा कार्य, जल संरक्षण, पर्यावरण जन चेतना, साइकिल रैलियां आदि का अधिक से अधिक आयोजन कराया जावे। गतिविधियों में अधिक से अधिक जन प्रतिनिधियों, मंत्रियों, प्रशासनिक अधिकारियों को बुलाया जावे तथा कार्यक्रम के प्रचार–प्रसार के लिए मीडिया, अखबार एवं रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभागों एवं जन प्रतिनिधियों को भिजवाएं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य स्तरीय शिविरों के आयोजन जगतपुरा प्रशिक्षण केन्द्र पर तत्काल प्रारम्भ किये जावे।

अन्त में कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढ़ा द्वारा आभार प्रकट किया गया एवं राष्ट्रगान के साथ मीटिंग की कार्यवाही सम्पन्न हुई।

मुझे भी कुछ कहना है

स्काउट-गाइड केम्प एक अनुभूति

शबनम तंवर (अध्यापिका)
रा.उ.प्रा. विद्यालय गोदान का बाड़ा
जहाजपुर (जिला- शाहपुरा)

मेरा जब अध्यापक पद के लिए चयन हुआ तो मेरी खुशी का कोई ठिकाना न था। लगा कि जैसे मेरी मेहनत ने मूर्त रूप ले लिया हो।

परंतु जब भी मैं किसी डॉक्टर, पुलिस या वकील को देखती तो मन में एक दबी सी चाहत मचलने लगती कि काश! एक शिक्षक की भी नियत वर्दी निर्धारित होती। जिसे पहनने के बाद शिक्षक वर्ग भी स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता।

ऐसी वर्दी जिसे धारण कर देश पर सर्वस्व न्यौछावर करने का जज्बा लिए अपने कर्त्तव्य पथ पर बढ़ती जाती।

ऐसी वर्दी जिसे धारण कर जब मैं कर्तव्य पथ पर बढ़ती तो समाज का प्रत्येक व्यक्ति मुझे देखकर ही पहचान जाता कि मैं एक शिक्षिका हूँ। मेरी पहचान शब्दों की मोहताज न होती।

इसी बीच वर्ष 2023 में मुझे गाइड–बेसिक कोर्स प्रशिक्षण का अवसर मिला। प्रशिक्षण का आयोजन 08 से 14 मई के मध्य हुआ। प्रशिक्षण का प्रथम दिवस – जिसमें हमें इस कोर्स के विषय में जानकारी प्रदान की गई एवं यहाँ हमें सेवा व समर्पण की जो सीख मिली, वह अविस्मरणीय है।

इस प्रशिक्षण रूपी यात्रा में मुझे नीले रंग की साड़ी एवं सफेद कॉलर युक्त ब्लाऊज जो कि मेटल बैज व शोल्डर स्ट्रीप से सुसज्जित था, धारण कर जो अनुभूति प्राप्त हुई वह अभूतपूर्व थी। इस अनुभूति को शब्दों में प्रकट कर पाना मेरे लिए असंभव सा है।

जब उस नीली साड़ी व सफेद ब्लाऊज के साथ पूर्ण वर्दी से सुसज्जित स्वयं अपना अवलोकन किया तो हृदय से मानव एवं देश सेवा का एक प्रवाह बह निकला जिसे रोक पाना, किसी के बस में न था।

अब एक शिक्षक वास्तविक अर्थों में अपने विद्यालय, अपने देश एवं सम्पूर्ण मानव प्रजाति की सेवा हेतु तत्पर.....आतुर थी।

चित्र विथिका

स्वाधीनता दिवस पर बालचर आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति देते हुए आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी स्काउट्स

राज्य कार्यकारिणी सभा की अध्यक्षता करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य (बीच में) एवं कार्यकारिणी सदस्य डॉ. पी.सी. जैन, श्री टीकम चन्द बोहरा, श्री महेन्द्र कुमार पारख एवं डॉ. अखिल शुक्ला (बाएं से)

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य का साफा पहनाकर स्वागत करते हुए राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल

भारत स्काउट व गाइड की निदेशक दर्शना पावस्कर का राज्य मुख्यालय आगमन पर पुष्प–गुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

स्थानीय संघ, जयपुर पर स्वाधीनता दिवस समारोह के अवसर पर जयपुर सांसद श्रीमती मंजु शर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए पूरण सिंह शेखावत

स्वैच्छिक रक्तदान

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित जिला स्तरीय कब, स्काउट, एवं गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन 6 अगस्त को ब्लड बैंक सिरोही में किया गया। रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि सभापति नगर परिषद सिरोही श्री महेंद्र कुमार मेवाड़ा और अध्यक्षता मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सिरोही श्री हीरालाल माली द्वारा की गई। सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा के निर्देशन में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 10 स्काउटर गाइडर एवं रोवर रेंजर ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।

एक महिला को तत्काल ब्लड की आवश्यकता थी जिनका ऑपरेशन होने वाला था, जिसके अभिभावक श्री विक्रम भाई गर्ग गांव वेलामरी, सिरोही, उनकी माताजी श्रीमती रतनी देवी ने ब्लड बैंक से ए पॉजिटिव ब्लड उपलब्ध कराने पर आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्रता दिवस पर सी.ओ. स्काउट ने किया रक्तदान

जिला प्रशासन टोंक द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें सी.ओ. स्काउट गिरिराज प्रसाद गर्ग ने रक्तदान किया।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व मंडल प्रधान अजीत सिंह मेहता, जिला प्रमुख सरोज बंसल, जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा एवं सदस्यगण उपस्थित रहे तथा रक्तदाताओं को शुभकामनाएं व बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिले के कुछ रोवर रेंजर ने भी रक्तदान किया।

स्काउट सचिव पारीक ने 16वीं बार किया रक्तदान

स्वर्गीय श्री कैलाश पारीक की पुण्य स्मृति में रेड रोज पब्लिक स्कूल के द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक एवं सचिव भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ सीकर महेंद्र कुमार पारीक ने अपने राज्य पुरस्कार प्राप्त पुत्र हितेश पारीक के साथ रक्तदान किया।

इस अवसर पर पारीक सोशल ग्रुप के अध्यक्ष राजेंद्र पारीक, महिला अध्यक्ष अर्चना पारीक, राजकुमार पारीक, आलोक पारीक, मनोज कुमार पारीक, पियूष पारीक, दामोदर प्रसाद गुर्जर, आयुष पारीक सहित सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा ने 16वीं बार रक्तदान करने के लिए श्री पारीक को बधाई दी एवं साथ ही उनके पुत्र के द्वारा दूसरी बार रक्तदान करने पर आशीर्वाद प्रदान किया। सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा ने बताया कि रक्तदान करना पुनीत कार्य है एवं इससे रक्तदाता का स्वास्थ्य भी सही बना रहता है।

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर संभाग

- हरियालो राजस्थान 'एक पेड़ मां के नाम' जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला भीलवाड़ा प्रभारी राज्य मंत्री डॉ मंजू बाघमार व स्थानीय विधायक श्री कोठारी जी के साथ स्काउट गाइड ने

भाग लेकर वृक्षारोपण किया। जिले के जिला मुख्य आयुक्त द्वारा भी कार्यक्रम में वृक्षारोपण किया गया। अभियान के तहत इको क्लब राजकीय मॉडल स्कूल बनेड़ा भीलवाड़ा द्वारा हरियालो राजस्थान कार्यक्रम आयोजित किया गया और विद्यालय के स्काउट गाइड ने सघन वृक्षारोपण किया।

भरतपुर संभाग

- जिला प्रशासन भरतपुर के तत्वावधान में 13 अगस्त 2024 को हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली जिला कलेक्ट्रेट से शुरू होकर बिजली घर चौराहा, चौबुर्जा, गंगा मंदिर, लक्ष्मण मंदिर से कुम्हेर गेट होते

हुए हीरादास चौराहा से लोहागढ स्टेडियम में स्थित शहीद स्मारक पर समाप्त हुई। रैली में सचिव नगर निगम श्री बद्री प्रसाद, श्री रामेश्वर दयाल बंसल जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक भरतपुर, श्री श्याम सिंह अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक भरतपुर, श्रीमती नीलमा छाबड़ा अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक भरतपुर, श्री अभिषेक पंवार जिला खेल अधिकारी भरतपुर, श्री गंभीर सिंह प्रभारी उप जिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा, श्री विजय सिंह सह प्रभारी उप जिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे। रैली में जिला भरतपुर के स्काउट गाइड, रोवर रेंजर्स व स्काउटर गाइडर के साथ विद्यालयों के छात्र छात्राओं एवं प्रभारी अध्यापक अध्यापिकाओं सहित लगभग 750 संभागियों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

- करौली जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, भारत स्काउट व गाइड एवं खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 14 अगस्त 2024 को तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से आमजन को हर घर तिरंगा घर–घर तिरंगा का संदेश दिया गया। तिरंगा रैली को मुंशी त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम पर अतिरिक्त जिला कलक्टर राजवीर सिंह, उप जिला कलक्टर पिंकी गुर्जर, अधीक्षण अभियंता विकास अधिकारी एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार गुप्ता ने हरी झंडी

दिखाकर रवाना किया। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया की तिरंगा रैली के अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर राजवीर सिंह ने उपस्थित सभी भारत स्काउट गाइड वॉलंटियर्स, खिलाड़ियों एवं छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा तिरंगा हमारे देश के लिए गौरव का विषय है, जिसको घर–घर फहराया जाना चाहिए। तिरंगे की आन बान और शान के लिए हमारे शहीदों ने अपनी जान की बाजी लगा दी और देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर उप जिला कलक्टर पिंकी गुर्जर ने स्वतंत्रता आंदोलन में अपनी जान की आहुति देने वाले शहीदों को याद किया और सभी से अपील की कि वह अपने–अपने घर पर तिरंगा अवश्य फहराएं।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में 28 जुलाई 2024 जिला स्काउट गाइड भवन में आयोजित राज्यपाल पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन अवसर पर करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने स्काउट

गाइड की सुविधा के लिए एक हॉल निर्माण की घोषणा की। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया की आयोजित किये जा रहे शिविर का उद्घाटन करौली के विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने झंडा फहराकर किया एवं इस अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में स्काउट रोवर एवं पदाधिकारियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक देवी सिंह राजपूत द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि राजवीर सिंह थे। इससे पूर्व अतिथियों के शिविर में पहुंचने पर स्काउट्स की टुकड़ी ने सहायक शिविर संचालक पूरन सिंह के नेतृत्व में गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। शिविर संचालक मुकुट बिहारी गुप्ता के अनुसार 26 से 30 जुलाई तक आयोजित राज्यपाल पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर में 116 स्काउट एवं रोवर ने भाग लिया। प्रशिक्षण शिविर में स्काउट एवं रोवर को प्रवेश से राज्यपाल पुरस्कार तक के पाठ्यक्रम की जानकारी, जिसमें नियम, प्रतिज्ञा, चिन्ह, सेल्यूट, हाथ मिलाना, झंडा गीत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, दिशा ज्ञान, फर्स्ट एड, पायनियरिंग, सिगनलिंग, कंपास, विभिन्न तरह की गांठ एवं बंधन, विभिन्न प्रकार के झंडे ध्वज एवं शिष्टाचार की जानकारी प्रदान की गई।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में राज्य पुरस्कार स्काउट एवं रोवर प्रशिक्षण शिविर के संभागियों ने पर्यावरण जन जागरूकता अभियान के तहत जन चेतना रैली का आयोजन किया। रैली को अतिरिक्त जिला कलक्टर राजवीर सिंह ने संबोधित किया। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया की स्काउट गाइड द्वारा राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के लिए जन जागृति करने की दृष्टि से एक पर्यावरण जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसको कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचने पर अतिरिक्त जिला कलक्टर राजवीर सिंह ने संबोधित किया। इस अवसर पर उप जिला कलक्टर मंडरायल बृजेश गुप्ता पर्यावरण जन जागरूकता रैली में शामिल स्काउट गाइड का उत्साह वर्धन किया। इससे पूर्व पुरानी नगर पालिका पर नगर परिषद सभापति पूनम पचौरी एवं समाज सेवी मुकेश पचोरी द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली पुरानी नगर पालिका से प्रारंभ होकर फूटा कोट अनाज मंडी वजीरपुर गेट होती हुई कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंची एवं वहां

से होली खिड़कियां सीताबाड़ी होती हुई मदन मोहन जी पहुंची। स्काउट गाइड ने रैली के दौरान पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण से संबंधित नारे लगाकर आमजन को प्रेरित किया। रैली का नेतृत्व शिविर संचालक मुकुट बिहारी गुप्ता, सचिव स्थानीय संघ करौली मुकेश कुमार सारस्वत, ट्रेनिंग काउंसलर पूरन सिंह डांगुर, ब्रजकिशोर भारद्वाज, राजेश सिंह गुर्जर, जगबीर सिंह, शक्ति सिंह, राज्य पुरस्कार रोवर लव कुश, मंगल, निपुण रोवर पीयूष नामा ने किया।

बीकानेर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बीकानेर के तत्वावधान में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान का शुभारंभ तरुण कुमार गौड़ जिला सचिव के सान्निध्य में मंडल मुख्यालय बीकानेर पर पौधा रोपित कर किया गया। स्काउट गाइड एवं रोवर, रेंजर ने कार्यालय मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, निदेशालय माध्यमिक, प्रारंभिक शिक्षा, मरुधरा बायोलॉजिकल पार्क बीछवाल में वन विभाग, जिला प्रशासन के साथ सहयोग

एवं समन्वय कर वृक्षारोपण किया। जिला मुख्यायुक्त महेंद्र कुमार शर्मा के निर्देशानुसार सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट रामजस लिखाला के नेतृत्व एवं जसवंत सिंह राजपुरोहित सी.ओ. स्काउट के सान्निध्य में स्काउट गाइड यूनिट लीडर के नेतृत्व में स्काउट गाइड एवं रोवर, रेंजर ने सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता कर एक पेड़ मां के नाम वृक्ष रोपित कर सेवा कार्य किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर स्काउट गाइड

कार्यालय परिसर से तिरंगा एवं देश भक्ति से ओत–प्रोत रैली का आयोजन किया गया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली स्काउट गाइड कार्यालय से प्रारंभ होकर कुमावत बस्ती, मोरारका कॉलेज होते हुए शहीद स्मारक पहुंची, जहां पर देश के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्काउट को संबोधित करते हुए सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने कहा कि

देश की आजादी एवं एकता, अखंडता को अक्षुण्ण रखने वाले वीर अमर शहीदों को हम सादर श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। इस अवसर पर स्काउट कार्यालय में देशभक्ति गानों की प्रस्तुतियां स्काउट्स द्वारा दी गई। इस दौरान रामदेव सिंह गढ़वाल, नरेश सिंह तंवर, सुनील मेहरा, मूलचंद मूंड, धर्मपाल सिंह, विजेता नेहरा, भंवर लाल मीणा, रवि कुमार, अमरचंद, दिनेश लखटकिया, सुनील कुमार, मो.जाबिर, दशरथ सैनी सहित राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले 200 से अधिक स्काउट्स उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कार्यालय परिसर में किया गया। शिविर संचालक एवं सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि शिविर में नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत, चिन्ह, सैल्यूट, ध्वज शिष्टाचार, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन, सामुदायिक कार्यकर्ता, पर्यावरण संरक्षण, दिशा ज्ञान, कंपास, मानचित्र, स्काउटिंग का इतिहास सहित विभिन्न प्रकार की उपयोगी जानकारी स्काउट्स को प्रदान की गई।

सी.ओ. स्काउट श्री कलावत ने बताया कि रात्रि शिविर ज्वाल सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में स्काउट्स ने राजस्थानी एवं देशभक्ति गीतों पर नृत्य कर धूम मचाई। शिविर ज्वाल कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डॉ. नवीन ढाका, धर्मवीर सिंह, उमेश रोहिल्ला, ताराचंद यादव, रामकिशन सैनी, निरंजन लाल शर्मा, ओमप्रकाश डिग्रवाल उपस्थित रहे। शिविर संचालन में वरिष्ठ स्काउटर रामदेव सिंह गढ़वाल, बुहाना कोषाध्यक्ष नरेश सिंह तंवर, उदयपुरवाटी सचिव भंवर लाल मीणा, स्काउट मास्टर सुनील मेहरा, रवि कुमार, सुनील बाकरा, नवलगढ़ सचिव दशरथ लाल सैनी, हरिराम मोरवाल, मूलचंद मूंड, रविन्द्र यादव सहित संचालक दल के अनेक स्काउटर ने निःस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं प्रशिक्षक के रूप में दी।

जयपुर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ चौमूं पर 8 से 14 अगस्त 2024 तक स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स का आयोजन किया गया। स्काउट मास्टर कोर्स का संचालन प्रताप सोनी एल.टी. स्काउट ने किया तथा संचालन में सहयोग प्रशिक्षक श्रवण कुमार शर्मा हिमालय वुड बैज हरिशंकर शर्मा, हिमालय वुड बैज सोहनलाल तथा श्रवण शर्मा द्वारा किया गया, जिसमें 27 स्काउट मास्टर ने सहभागिता की। गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स का संचालन श्रीमती बसंती शर्मा एएलटी गाइड द्वारा तथा शिविर संचालन में सुश्री विजयलक्ष्मी सैनी हिमालय वुड बैज, प्रियंका एडवांस, सुश्री शिल्पा इत्यादि द्वारा सहयोग किया गया। शिविर में 27 गाइड कैप्टन ने दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया।

13 अगस्त 2024 को सी.ओ. गाइड ऋतु शर्मा तथा सहायक राज्य संगठन आयुक्त श्रीमती नीता शर्मा द्वारा उपरोक्त शिविरों की विजिट कर संभाल की गई। श्रीमती नीता शर्मा ने सभी संभागियों से बात की और अपने विद्यालयों में स्काउटिंग गाइडिंग गतिविधि को सक्रियता से चलाने व संचालित करने हेतु प्रेरित किया। उक्त शिविरों में प्रवेश से लेकर तृतीय सोपान तक के सभी विषयों यथा नियम प्रतिज्ञा सिद्धांत, आंदोलन का इतिहास, झंडो की जानकारी, ध्वज शिष्टाचार इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के तत्वावधान में जिला कलक्टर दौसा के आदेशानुसार तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। स्व.राजेश पायलट राजकीय

स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांदीकुई के रोवर रेंजर्स ने आयोजित तिरंगा रैली में भाग लिया और रैली के दौरान देशभक्ति के नारे व निनाद लगाए।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के तत्वावधान में 10 अगस्त से आयोजित पांच दिवसीय जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ जिला प्रशिक्षण केन्द्र दौसा पर किया गया। इस दौरान शिविर संचालक श्री गोविन्द नारायण तिवारी, स्काउट मास्टर श्री योगेश कुमार गोठवाल, स्काउट मास्टर श्री सौरभ शर्मा, रोवर लीडर श्री विकास कुमार सैनी, रेंजर लीडर श्रीमती सायरा बानो, सहायक रोवर लीडर नितेश कुमार मीना, स्थानीय संघ सचिव श्री ओमप्रकाश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सी.ओ. स्काउट श्री प्रदीप सिंह ने ध्वजारोहण कर शिविर की शुरुआत की तथा स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर्स को शिविर संबंधित जानकारी दी। इस दौरान सर्विस रोवर नितिन कुमार सैनी, कुलदीप सिंह राजपूत, रेंजर तनिषा जांगिड़, मोनिका गौतम आदि उपस्थित रहे।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में जिला कलक्टर सीकर के आदेशानुसार तिरंगे के साथ कैंडल मार्च किया गया। कैंडल मार्च को एसडीएम सीकर जय कौशिक, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी रामचंद्र सिंह

बागड़िया, समसा प्रोजेक्ट निदेशक राकेश गढ़वाल, सीताराम खारिया अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पंचायत समिति धोद, सुरेश कुमार अग्रवाल समाजसेवी, सत्य प्रकाश शिक्षाविद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का नेतृत्व सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा, सी.ओ. गाइड प्रियंका कुमारी, स्थानीय संघ सीकर सचिव महेंद्र कुमार पारीक, सहायक सचिव देवीलाल, परमेश्वर लाल शर्मा, ओमप्रकाश रेगर, पार्वती रेंजर लीडर, सुष्मिता, राजकुमार जाखड़ प्रधानाध्यापक ने किया। इस अवसर पर श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राधाकृष्णपुरा सीकर, राजकीय अंबेडकर छात्रावास सीकर एवं ग्रामीण शिक्षण संस्थान महाविद्यालय शिवसिंहपुरा, मरुधर ओपन रोवर क्रू सीकर, श्री कल्याण कन्या महाविद्यालय सीकर के रोवर, रेंजर्स, स्काउट व गाइड ने भाग लिया। तिरंगे के साथ कैंडल मार्च में भारत माता की जय, तिरंगा हमारी शान है के नारे लगाते हुए जोश एवं जज्बे के साथ सीकर शहर के मुख्य मार्गों से आमजन को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत किया। कैंडल मार्च का समापन अंबेडकर सर्किल पर हुआ।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में 1 अगस्त को जिला मुख्यालय, बड़ा तालाब, सीकर पर विश्व स्काउट स्कार्फ दिवस पशु चिकित्सक सीकर डॉ. सुरेंद्र सिंह शेखावत, शिक्षाविद गणेश नारायण टेलर, प्रधानाचार्य ग्राम भारती विद्यापीठ कोठ्यारी सरोज शर्मा, विजय शर्मा के मुख्य अतिथ्य में मनाया गया। अतिथियों का स्वागत और अतिथियों एवं स्काउट गाइड सदस्यों को विश्व स्काउट स्कार्फ दिवस के बारे में जानकारी बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट

सीकर ने प्रदान की। स्काउट गाइड ने स्कार्फ के माध्यम से विभिन्न तरीके से प्राथमिक उपचार के तरीके जाने एवं प्रायोगिक अभ्यास किया। कार्यक्रम के दौरान स्काउट मास्टर ओम प्रकाश रेगर, स्काउट अनिल कुमार वर्मा, उदय सिंह, गोलू मीणा, अखिलेश मीणा, बजरंग लाल, बृजेश वर्मा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बलारा के राज्य पुरस्कार प्राप्त स्काउट उत्तम स्वामी, रोशन स्वामी, ग्रामीण महाविद्यालय शिवसिंहपुरा की रेंजर लीडर पार्वती देवंदा, रेंजर बबलेश, मनीषा, मनीषा कुमारी, प्रतिभा, कोमल बैरवा, बी आर अंबेडकर ओपन रोवर क्रू थोई के रोवर रामनिवास, पशु चिकित्सालय से हवा सिंह, कमलेश ढाका, मोहम्मद कैफ सहित अनेक स्काउट गाइड सदस्य उपस्थित थे। अतिथियों व स्काउट गाइड सदस्यों का आभार प्रियंका कुमारी सी.ओ. गाइड जिला सीकर ने किया। इसके साथ ही जिला सीकर क्षेत्र में थोई फतेहपुर शिवसिंहपुरा सहित अनेक स्थानीय संघ, स्काउट गाइड ग्रुप में विश्व स्काउट स्कार्फ दिवस मनाया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में स्काउट भवन फतेहपुर के मैदान पर आयोजित जिला स्तरीय पांच दिवसीय राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का समापन सर्वधर्म प्रार्थना सभा के साथ हुआ। इससे पूर्व दोपहर बाद स्थानीय संघ प्रधान इस्लाम खान की अध्यक्षता एवं बसंत कुमार लाटा के मुख्य आतिथ्य में शिविर समापन समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में श्री लाटा ने शिविर संभागियों को संबोधित करते हुए राज्य

पुरस्कार के पाठ्यक्रम तथा परीक्षा के पैटर्न की नवीनतम जानकारी दी। शिविर संचालक मोतीराम महिचा ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिविर में आपदा प्रबंधन, शिविर कला, पायनियरिंग, प्राथमिक चिकित्सा, मैपिंग चिन्ह, सैल्यूट बायां हाथ मिलाना, आंदोलन का इतिहास, ध्वजों की जानकारी, खोज के चिन्ह, दक्षता बैज, समाज सेवा, समुदाय सेवा की जानकारी सहित अनेक प्रकार के प्रशिक्षण प्रदान किए गए। प्रधान इस्लाम खान ने स्काउट्स गाइड्स को इस संगठन को आगे बढाने के लिए प्रेरित करते हुए राष्ट्र सेवा के लिये समर्पित भाव सेवा की अपील करते हुए मुख्य अतिथि का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर हरीशचन्द्र वर्मा सचिव स्थानीय संघ रामगढ़, हरी शंकर शर्मा, ईश्वर सिंह नेहरा, सुनील कुमार, प्यारे लाल महला, पवन कुमार, कपिल देव, महेंद्र सिंह पूनिया, गाइडर वीनु कुमारी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, बस्सी की गाइड कम्पनी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय माधोगढ़ की गाइड्स राजस्थान पत्रिका के सौजन्य से फौजी भाईयों के राखी बांधकर उनकी बहने बनीं। हस्तनिर्मित 200 राखियों का पैकट भी देश की सीमा पर तैनात फौजी भाईयों के लिए भिजवाया गया। प्रधानाचार्य शिवशंकर प्रजापति ने जानकारी

दी कि इस विद्यालय की गाइड्स द्वारा ऊन, धागे, रूई, मोती, मूंगा, गोटा आदि घरेलू सामग्री से तिरंगे की थीम पर हस्तनिर्मित 200 राखियां तैयार की गई। रक्षाबंधन के पूर्व कार्य दिवस 17 अगस्त 2024 को 5 फौजी भाईयों को विद्यालय में आमंत्रित कर एक भव्य समारोह में उनके राखी बांधकर गाइड्स ने उनकी बहन की भूमिका अदा की एवं शेष राखियां अन्य फौजी भाईयों के लिए भेंट की। राखी के साथ ही बालिकाओं ने एक मार्मिक संदेश की पत्रिका भेजकर अपने फौजी भाई की दीर्घ आयु की कामना की। फौजी भाईयों ने भी सभी बालिकाओं को लड्डू खिलाकर मुहं मीठा करवाया। गाइड्स ने फौजी वर्दी में देशभक्ति नृत्य भी प्रस्तुत किया। फौजी भाईयों ने बहनों की मांग पर उनके साथ नृत्य कर उनका मान रखा। गाइड्स ने फौजियों को अपनी हस्तनिर्मित चित्र कलाकृति भेंट की।

समारोह में गाइड कैप्टन मीनाक्षी मीणा, उप प्रधानाचार्य मुकेश बैरवा, पंचायत समिति सदस्य प्रेमचंद प्रजापति, नरेश मीणा, पुनीराम सैनी, राजकुमारी जायसवाल, कस्तूरी महावर सहित अनेक ग्रामवासियों की सहभागिता रही।

जोधपुर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड के तत्वावधान में 7 अगस्त 2024 को जोधपुर स्थित संत श्री देवाराम पब्लिक सी.सै. स्कूल में प्रधानाध्यापिका श्रीमती शिल्पा पुरोहित के निर्देशन में मुख्यमंत्री सघन वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण का आयोजन किया, जिसमें रोवर रेंजर, स्काउट व गाइड के साथ–साथ कब व बुलबुल ने वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में सीनियर रेंजर

प्रियंका सोलंकी ने सहभागिता की। इसी के साथ यूनिट लीडर दिनेश, बासु, पदम, लता, अयान व प्रेमलता उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित 5 दिवसीय जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार एवं निपुण रोवर रेंजर शिविर का उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सिरोही राजेन्द्र कुमार राजपुरोहित के मुख्य आतिथ्य में झण्डा रोहण के साथ शुभारम्भ हुआ। ध्वजारोहण के बाद संगठन का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया। श्री राजपुरोहित ने कहा कि इस प्रशिक्षण में जीवन जीने का हुनर सीखने को मिलेगा। सी.ओ.स्काउट एम.आर.वर्मा

ने शिविर सम्बन्धित आवश्यक जानकारी से अवगत कराते हुए कहा कि इस जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार एवं निपुण रोवर रेंजर शिविर में जो रोवर रेंजर सम्मिलित हुए है उनको पाठ्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस शिविर में शंकरसिंह दहिया लीडर ट्रेनर स्काउट, तोलाराम फाचरिया एडवान्स स्काउटर एवं लक्ष्मण कुमार कीर रोवर लीडर व हिमालय वुड बेज रोवर द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित 5 दिवसीय जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर 25 से 29 जुलाई 2024 तक भुवनेश्वर महादेव मंदिर डोडुआ में आयोजित किया गया। शिविर का समारोह पूर्वक समापन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि तेजाराम प्रजापति एम.डी. पूर्णिमा ग्रुप अहमदाबाद हाल नवारा निवासी थे और अध्यक्षता मुकेश खण्डेलवाल समाज सेवी डोडुआ एवं विशिष्ट अतिथि चमनलाल प्रजापति, दीपक प्रजापति, गोपाल प्रजापति थे। अतिथियों का स्वागत स्कार्फ पहनाकर किया गया। प्रारम्भ में सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत कर जिले में संचालित भारत स्काउट गाइड गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। शिविर में जिला स्तर से 124 स्काउट व 31 गाइड सम्मिलित हुए। समारोह के मुख्य अतिथि तेजाराम प्रजापति ने सभी स्काउट गाइड व स्टाफ को वाटर बोतल भेंट की। इस अवसर पर स्काउट गाइड ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। भुवनेश्वर महादेव मंदिर परिसर में अतिथियों ने नीम के पौधे लगाए। भुवनेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी किशन ने प्रातःकालीन ध्वजारोहण किया। शिविर में मूलसिंह भाटी, बखेडुराम, तोलाराम फाचरिया, प्रतापराम प्रजापत, कृष्ण कुमार कुमावत, श्रीमती पिंकी मीना, सुश्री आशा कुमारी ने स्काउट गाइड को प्रशिक्षण दिया। रोवर रेंजर मोहित अग्रवाल, रोहित कुमार, जितेन्द्र कुमार, सुश्री कोमल व वर्षा राव ने सेवाएं दी।

राज्य संगठन आयुक्त लोढ़ा ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया

जोधपुर, 31 जुलाई @ **प्रसन्न टाइम्स.** पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के निर्देशन में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के तत्वाधान में पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत राजस्थान प्रदेश में जिला स्तर, मंडल स्तर एवं विद्यालय में संचालित इको क्लबों के माध्यम से वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम की क्रियान्विति के उद्देश्य से राज्य संगठन आयुक्त सुयश लोढ़ा ने विट्ठलेश स्काउट वन चौपासनी में आयोजित राज्य पुरस्कार गाइड प्रशिक्षण शिविर के दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ माता किरण लोढ़ा एवं पिता सूरज राज लोढ़ा द्वारा पीपल का पेड़ लगाकर किया। स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर के माध्यम से वृहद स्तर पर वृक्षारोपण करवाये जाने का आव्हान करते हुए राज्य संगठन आयुक्त सुयश लोढ़ा ने कहा कि बारिश के इस मौसम में समय रहते वृक्षारोपण के लिए गड्ढे तैयार करना, आमजन को प्रेरित करने के लिए नुक्कड़ नाटक, प्रतियोगिताएं और जन चेतना रेलियां आयोजित करना आवश्यक है। इस अवसर पर सीओ स्काउट छत्तर सिंह पिडियार, सीओ गाइड निशु कंवर, पूर्व प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर बीआर बंशीवाल, श्री सरस्वती बाल वीणा भारती स्कूल सूरसागर के प्रधानाचार्य भूराराम चौधरी, लीडर ट्रेनर शशि शर्मा, सहायक लीडर ट्रेनर कांता शर्मा, प्रकाश शर्मा, प्रशिक्षक दल में गाइड कैप्टन रेणु, विभा शर्मा, एकता दाधीच व प्रमिला शर्मा ने अभियान के शुभारंभ में सहयोग किया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ शिवगंज (सिरोही) क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दादावाड़ी परिसर में राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर के आदेशानुसार संस्था प्रधान डॉ. हनवंतसिह मेड़तिया के निर्देशानुसार व व्याख्याता बलवंतसिंह राठौड़ के सान्निध्य में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ शिवगंज के सचिव रमेशचन्द्र आगलेचा के नेतृत्व में स्काउट्स विद्यार्थियों ने शिक्षा सप्ताह का छठा दिवस इको क्लब्स फॉर मिशन लाईफ डे के रूप में

मनाया। विद्यालय परिसर में स्काउट्स द्वारा पौधारोपण किया गया व पहले से रोपे गए पौधों की सिंचाई कर सार–संभाल की गई। जीवदया के तहत पक्षियों के जलपात्रों व चुग्गापात्रों की सफाई की गई व उनके लिए दाने पानी की व्यवस्था की गई। स्वच्छता अभियान द्वारा विद्यालय परिसर की सफाई की गई व प्लास्टिक थैलियों को उपयोग में नहीं लेने की शपथ लेकर पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया गया। कार्यक्रम में व्याख्याता कांति लाल, सहायक स्काउट प्रभारी राजेन्द्र कुमार गेहलोत, वेलाराम मीणा, रमेश कुमार परिहार, मगन कुमार वैष्णव, जोराराम मेघवाल, श्रवण सिंह देवड़ा, फरजाना शरीफ, मंजू मीणा, लता शर्मा, चंदा मीणा, वरिष्ठ सहायक नारायण मीणा, कनिष्ठ सहायक नरेन्द्र कुमार, कांता बाई, बसंती बाई, भावना, अफसाना व सोनलबेन का सहयोग रहा।

◈ बाड़मेर जिले में स्थानीय संघ बालोतरा से अलग नवीन स्थानीय संघ कल्याणपुर का गठन करने हेतु कल्याणपुर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें स्काउट गाइड स्थानीय संघ कार्यकारिणी का विधिवत गठन किया गया। सीबीईओ बुद्धाराम चौधरी ने बताया कि ब्लॉक कल्याणपुर के स्थानीय स्काउट गाइड संघ की कार्यकारिणी के गठन के लिए आज की बैठक में संरक्षक दौलाराम चौधरी, प्रधान सताराम धतरवाल, उप प्रधान सुजाराम पटेल, एडीपीसी प्रतिनिधि बुद्धाराम चौधरी, कमिश्नर प्रतिनिधि संदीप बोरा को मनोनीत किया गया। स्थानीय संघ के सचिव पद पर जीताराम मकवाना, कोषाध्यक्ष महेन्द्रसिंह राजपुरोहित, संयुक्त सचिव मोहिनी विश्नोई, सहायक सचिव किशनाराम सियोल, प्रधानाचार्य प्रतिनिधि ओमाराम पालीवाल व भरत कुमार रलिया, ट्रेनिंग काउंसलर रामसिंह राजपुरोहित व सुरेंद्र

सिंह चारण, स्काउट प्रतिनिधि अभिमन्यु सिंह व रामाराम, गाइडर प्रतिनिधि विजेता चौहान व सुशीला गुलेरिया, ग्रुप प्रतिनिधि पाबूराम विश्नोई, सुमित्रा मकवाना, श्रवण राम, संगीता राणा को मनोनीत किया गया।

बैठक में सीबीइओ बुद्धाराम चौधरी ने बताया कि स्काउट गाइड का लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिलना चाहिए जिससे कि वे सुयोग्य नागरिक बनकर देश सेवा कर सके। संघ के संरक्षक दौलाराम चौधरी, प्रधान सत्ताराम धतरवाल, उप प्रधान सुजाराम पटेल ने विचार व्यक्त किए। पूर्व सचिव हनुमानराम विश्नोई ने स्काउट गाइड गतिविधियों की जानकारी दी। सचिव जीताराम मकवाना ने सभी अतिथियों का आभार जताते हुए बताया कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के नवगठित स्थानीय संघ के ऊर्जावान और अनुभवी साथियों के साथ मिलकर कल्याणपुर ब्लॉक के प्रत्येक विद्यालय में स्काउट गाइड गतिविधियाँ संचालित करने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में अतिथियों ने विभिन्न योग्यता अभिवृद्धि प्रमाण पत्र वितरित किए। बैठक में पीईईओ संदीप बोरा, मोहन सिंह सांखला, प्रकाशराम जीनगर व कल्याणपुर ब्लॉक के स्काउट मास्टर, गाइड लीडर और गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

कोटा संभाग

◈ एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ छीपाबड़ौद, जिला बांरा के तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दीगोद जागीर में स्काउट गाइड द्वारा पौधारोपण किया गया। स्काउट गाइड द्वारा विद्यालय परिसर में 50 पौधे लगाए गए जिनकी सार संभाल की जिम्मेदारी भी ली। इस अवसर पर स्काउट

मास्टर बद्रीलाल नागर एवं गाइड कैप्टिन गायत्री लवंशी का एवं प्रधानाचार्य भोजराज मीना का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

उदयपुर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, जिला उदयपुर के स्काउट्स गाइड्स ने माननीय मुख्यमंत्री वक्षारोपण महाभियान हरियालो राजस्थान एक पेड़ मां के नाम जिला स्तरीय सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर हिस्सेदारी निभाई। इस अवसर पर जिला प्रभारी अधिकारी सहित ग्रामीण विधायक श्री फूलसिंह मीणा, संभागीय आयुक्त श्री राजेन्द्र भट्ट, जिला कलक्टर श्री अरविन्द कुमार पोसवाल सहित उपस्थित सभी विभागाध्यक्षों तथा वन विभाग के अधिकारियों, शिक्षा अधिकारी एवं जनमानस ने स्काउट्स गाइड्स की सेवाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। स्थानीय संघ, उदयपुर के 350 से अधिक

स्काउट्स गाइड्स ने निर्धारित स्काउट गाइड गणवेश में उपस्थित रहकर वक्षारोपण कार्य में सहयोग प्रदान किया। इसके अतिरिक्त जिले के अधिनस्थ स्थानीय संघ तथा इको कल्ब विद्यालयों ने भी सघन वृक्षारोपण किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के तत्वावधान में 29 जुलाई से 02 अगस्त तक स्काउट जिला मुख्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र के पास राजसमन्द के प्रागंण में आयोजित राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर में ''विश्व स्कार्फ डे'' मनाया गया। सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा ने विश्व स्कार्फ डे के कार्यक्रम के अन्तर्गत स्काउट गाइड बालक बालिकाओं को सम्बोधित करते हुए केम्पिंग जीवन में स्कार्फ की उपादेयता बताते हुए स्कार्फ के विशेष उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। स्कार्फ की बनावट, कलर व इसके विभिन्न उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण शिविर के संचालक एवं जिला प्रशिक्षण आयुक्त राकेश टांक ने बताया कि राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर में स्काउट गाइड को टेन्ट लगाना, गेजेट्स बनाना, गांठे लगाना, लेसिंग व बन्धन बांधना, ध्वज शिष्टाचार, नियम, प्रर्थना, प्रतिज्ञा, झण्डा गीत, प्राथमिक उपचार, विभिन्न विधियों से स्ट्रक्चर बनाना, मॉकड्रिल करना, अनुमान लगाना, कम्पास व दिशा ज्ञात करना के साथ ही राज्य पुरस्कार

पाठ्यक्रम का गहनता से प्रशिक्षण दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा दिया गया। स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि विश्व स्कार्फ डे के अवसर पर स्काउटर गाइडर, रोवर रेन्जर व स्काउट गाइड ने जिला मुख्यालय परिसर पर जामुन, अमरूद, हारश्रृंगार, बेलपत्र, केला, आम, कनेर, शीशम, गुलमोहर, आशापाल आदि के पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर संचालक दल में अभिलाषा मिश्रा, राकेश टांक, धर्मेन्द्र गुर्जर, रामसिंह चौहान, खेमराज मीणा, केशर सालवी, निशा जांगिड़, आशा सुखवाल, विमला आमेटा, मीना शर्मा, किरण चौहान, रंजना कुमावत, शीला शर्मा, रोशन लाल के साथ ही रोवर व रेन्जर ने अपनी सराहनीय सेवा प्रदान की।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर एवं सीबीईओ नरेन्द्र भट्ट और तकनीकी अधिकारी चेतनलाल पाटीदार ने राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर का अवलोकन कर ''एक पौधा मां के नाम'' के तहत शिविर केन्द्र पर स्काउट गाइड के साथ पौधारोपण किया। उल्लेखनीय है कि 22 से 26 जुलाई तक जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र, लिंबोड छोटी, सागवाड़ा पर किया गया। डूंगरपुर सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि शिविर में 179 स्काउट और 82 गाइड ने प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण शिविर के संचालक स्काउटर नानालाल अहारी व लीलाराम गामोट और गाइड शिविर संचालक सूरज पारगी, सुशीला डामोर ने शिविर गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन पंकज मेहता ने किया वही आभार ललित कुमार बरंडा ने व्यक्त किया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में 22 से 26 जुलाई तक जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र, लिंबोड छोटी, सागवाड़ा पर किया गया, जिसका शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि शिविर में जिले के 294 स्काउट गाइड ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर संचालक नाना लाल अहारी, लीलाराम गामोट, सुशीला डामोर, कान्ता डामोर, सूरज पारगी, मक्सीराम फलेजा, ललित कुमार बरण्डा, भैंरूलाल कटारा, पंकज मेहता, कपिल व्यास, पुरूषोत्तम पुरोहित, प्रवीण कुमार मीणा, नन्द लाल यादव, ललित कुमार सहित जिले के दक्ष स्काउटर गाइडर द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविर में स्काउट

गाइड प्रतिभागियों को स्काउट इतिहास, नियम, प्रार्थना, झंडा गीत, दक्षता बैज, प्राथमिक चिकित्सा, पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी गई। शिविर व्यवस्था हेतु केन्द्र प्रभारी लक्ष्मण रेबारी, ललित यादव सहित स्काउटर, गाइडर, रोवर, रेंजर ने अपनी सेवाएं दी।

◈ भारत स्काउट व गाइड, उदय ओपन रोवर क्रू, भुवाणा द्वारा हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर रत्नागिरी पर्वत पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना था, जिसमें स्थानीय समुदाय के सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। उदय ओपन रोवर क्रू ने इस अवसर पर कई प्रकार के पौधों का रोपण किया, जिनमें फलदार और छायादार वृक्ष शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत पर्यावरण संरक्षण के महत्व

पर एक संक्षिप्त उद्‌बोधन से हुई। वृक्षारोपण के दौरान उपस्थित सदस्यों ने प्रकृति की देखभाल और संरक्षण का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने और स्थानीय समुदाय को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों द्वारा पौधों की नियमित देखभाल का वचन लेने के साथ हुआ। इस पहल ने रत्नागिरी पर्वत को और अधिक हरियाली युक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। स्थानीय लोगों ने इस प्रयास की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने का वचन दिया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, राजसमन्द से पंजीकृत नोबल पब्लिक स्कूल भावा, राजसमन्द में समारोह आयोजित कर विद्यालय के कब–बुलबुल को प्रशंसा पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्द्धन किया। विद्यालय की कब–बुलबुल प्रभारी अध्यापिका माला पगारिया ने बताया कि विद्यालय में आदर्श कब और बुलबुल ग्रुपों का संचालन किया जा रहा है जिसमें गुणात्मक प्रगति कर रहे बालक बालिकाओं को जिला मुख्यालय राजसमन्द एवं स्थानीय संघ मुख्यालय राजसमन्द के पदाधिकारियों ने अपने कर कमलों से प्रशंसा पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर नोबल शिक्षण संस्थान राजसमन्द के निदेशक प्रवीण बगड़वाल ने स्काउट गाइड बालक बालिकाओं को सम्बोधित किया। नोबल पब्लिक स्कूल भावा की प्रधानाध्यापिका कविता गुर्जर ने बताया कि निदेशक प्रवीण बगडवाल ने स्काउटिंग गाइडिंग की उपादेयता को बताते हुए बालकों को प्रोत्साहित किया व कहा

कि इस गतिविधि से बालक बालिकाओं में आपसी भाईचारा, मितव्ययता, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम, पशु–पक्षियों एवं जीव–जन्तुओं के प्रति दया, ईमानदारी, आत्मविश्वास आदि चारित्रिक गुणों के विकास के साथ ही आनन्दित जीवन जीने की कला का विकास होता है। आमंत्रित अतिथियों में सी.ओ. गाइड राजसमन्द अभिलाषा मिश्रा, स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर, सहायक सचिव निर्मला धोबी, वरिष्ठ गाइडर विमला आमेटा, स्काउटर राहुल बर्रा आदि समारोह में उपस्थित थे। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कविता गुर्जर ने स्वागत अभिनंदन किया।

पर्यावरण संरक्षण

सीख पक्षियों की

महेंद्र कुमार शर्मा
जिला शिक्षा अधिकारी (से.नि.)
नसीराबाद, अजमेर

आज प्रत्येक मनुष्य समस्या ग्रस्त है। विज्ञान ने जहां सुविधा दी है वहीं दुविधाएं भी दी है। सुख सुविधाओं ने हमारी दिनचर्या को बदल दिया है। प्रकृति के नियमों की अवहेलना उसकी आदत बन गई है। हमसे तो अच्छे पशु–पक्षी हैं, जो ना तो प्रकृति से दूर हुए और ना ही अपनी दिनचर्या बदली है। हम इन्हें अपना प्रेरणादायक मान लें तो बहुत सी समस्याओं से बच सकते हैं।

आइए, हम देखते हैं कि हम किस प्रकार से पक्षियों से प्रेरणा ले सकते हैं। पक्षी हमेशा रात होने के पहले अपने आवास पर आ जाते हैं और जल्दी ही सो जाते हैं। प्रातः काल होने के पूर्व ही उठकर चह चहाने लगते हैं। दिन में इधर–उधर उड़ते रहते हैं, उनके लिए आराम हराम है। कठोर परिश्रम के कारण बिमारियां इनसे दूर रहती है। यह रात में एक स्थान पर ही रहते हैं।

ये भोजन भी आवश्यकता अनुसार ही करते हैं तथा रात्रि में कुछ नहीं खाते हैं। संग्रह में इनका विश्वास नहीं होता है और रोग ग्रस्त होने की स्थिति में यह भोजन नहीं करते हैं। इस प्रकार अपना इलाज स्वयं कर लेते हैं। यह अपने बच्चों का पूरा ध्यान रखते हैं, उन्हें संभालने के लिए अपने घोंसले में बार–बार आते हैं और उनकी सुरक्षा का ध्यान रखते हैं। इस तरह अभिभावक होने के दायित्व निभाते हैं।

पक्षी आज भी प्रकृति के साथ है और उनकी दिनचर्या में कोई विशेष अंतर नहीं आया है। इंसान की स्थिति विपरीत है। रात्रि में देरी से सोना और सुबह देरी से उठना इसकी आदत हो गई है। रात्रि में इधर–उधर घूमना, मादक पदार्थों का सेवन, होटल और पार्टियों में मशगूल रहना उसके जीवन स्तर का आधार हो गया है। आज का इंसान इतना आलसी हो गया है कि वह दो कदम पैदल नहीं चलना चाहता है। अपने कार्य के लिए भी वह दूसरों की ओर देखता है। वह परिश्रम के अभाव में शारीरिक और मानसिक रोगों की चपेट में आ रहा है।

इंसान पौष्टिक आहार को छोड़कर फास्ट फूड और जंक फूड का शौकीन हो गया है। वह पहले रात्रि में भोजन नहीं करता था, अब तो वह खाता ही रात में है। इस कारण आज अधिकांश लोगों की पाचन शक्ति प्रतिकूल स्थिति में है। पौष्टिक आहार के अभाव में शरीर की रोग प्रतिरोधात्मक शक्ति क्षीण हो रही है। रोगग्रस्त होने पर जब वह डॉक्टर के पास जाता है तब एक रोग का इलाज तो हो जाता है, किंतु दूसरे की चपेट में आ जाता है।

आज स्त्री पुरुष अपने आप में इतने व्यस्त रहते हैं कि अपने परिवार से दूर होते जा रहे हैं। अपने बच्चों की ओर भी ध्यान देने का समय उनके पास नहीं है। बच्चों का बचपन तो आया के साथ ही बीतता है। इस स्थिति में बच्चों को मां–बाप का प्यार नहीं मिलता है और वह उनसे दूर होते जाते हैं। इसका उनके शारीरिक और मानसिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कई बार तो बच्चे अपराध जगत में भी चले जाते हैं।

इन स्थितियों पर यदि हम विचार करें तो यह पाते हैं कि हमसे अच्छे पक्षी हैं। वह आज भी प्रकृति के साथ हैं। प्रकृति उनका जीवन है उनकी दिनचर्या निश्चित है। वह परिश्रमी और स्वावलंबी हैं। उनमें अपने परिवार के प्रति प्रेम भावना है। आज का इंसान इनसे भी प्रेरणा लेकर अपने जीवन को सुधारने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि वह इन मूक पक्षियों से अधिक ज्ञानी और समझदार है। सच है कि सृष्टिकर्ता ने सृष्टि के सृजन के समय अपनी प्रत्येक रचना को हमारे लिए प्रेरणादायक बनाया है।

CELEBRATIONS DAYS : SEPTEMBER-OCTOBER, 2024

05 September	:	Teacher's Day
08 September	:	International Literacy Day
14 September	:	Hindi Day
16 September	:	World Ozone Day
21 September	:	World Peace Day
27 September	:	World Tourism Day
02 October	:	Gandhi & Shashtri Jayanti
20 October	:	World Unity Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

हमारे महापुरुष

युग प्रवर्तक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

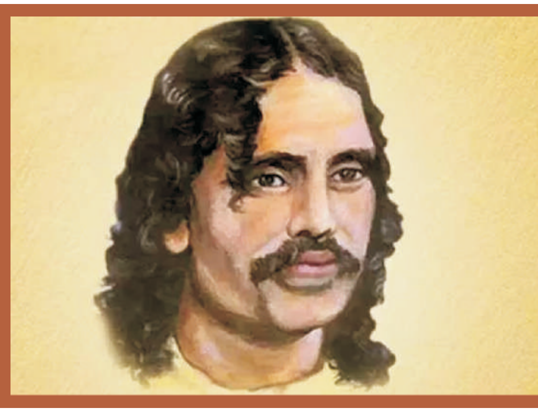

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र आधुनिक हिंदी साहित्य के पितामह कहे जाते हैं। भारतेन्दु हिन्दी में आधुनिकता के पहले रचनाकार थे। जिस समय भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का अविर्भाव हुआ, देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। अंग्रेज़ी शासन में अंग्रेज़ी चरमोत्कर्ष पर थी। शासन तंत्र से सम्बन्धित सम्पूर्ण कार्य अंग्रेज़ी में ही होता था। अंग्रेज़ी हुकूमत में पद लोलुपता की भावना प्रबल थी। भारतीय लोगों में विदेशी सभ्यता के प्रति आकर्षण था। ब्रिटिश आधिपत्य में लोग अंग्रेज़ी पढ़ना और समझना गौरव की बात समझते थे। हिन्दी के प्रति लोगों में आकर्षण कम था, क्योंकि अंग्रेज़ी की नीति से हमारे साहित्य पर बुरा असर पड़ रहा था। हम गुलामी का जीवन जीने के लिए मजबूर किये गये थे। हमारी संस्कृति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा था। ऐसे वातावरण में जब हरिश्चन्द्र आये तो उन्होंने सर्वप्रथम समाज और देश की दशा पर विचार किया और फिर अपनी लेखनी के माध्यम से विदेशी हुकूमत का पर्दाफ़ाश किया।

जीवन परिचय

युग प्रवर्तक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म काशी नगरी के प्रसिद्ध 'सेठ अमीचंद' के वंश में 9 सितम्बर 1850 को हुआ। इनके पिता 'बाबू गोपाल चन्द्र' भी एक कवि थे। इनके घराने में वैभव एवं प्रतिष्ठा थी। जब इनकी अवस्था मात्र 5 वर्ष की थी, इनकी माता चल बसी और दस वर्ष की आयु में पिताजी भी चल बसे। भारतेन्दु जी विलक्षण प्रतिभा के व्यक्ति थे। इन्होंने अपनी परिस्थितियों से गम्भीर प्रेरणा ली। इनके मित्र मण्डली में बड़े–बड़े लेखक, कवि एवं विचारक थे, जिनकी बातों से ये प्रभावित थे। इनके पास विपुल धनराशि थी, जिसे इन्होंने साहित्यकारों की सहायता हेतु मुक्त हस्त से दान किया। इनकी साहित्यिक मण्डली के प्रमुख कवि थे –

1. पं. बालकृष्ण भट्ट
2. पं. प्रताप नारायण मिश्र
3. पं. बद्रीनारायण उपाध्याय 'प्रेमधन' आदि

बाबू हरिश्चन्द्र बाल्यकाल से ही उदार प्रवृति के थे। यही कारण था कि इनकी उदारता लोगों को आकर्षित करती थी। इन्होंने विशाल वैभव एवं धनराशि को विविध संस्थाओं को दिया है। इनकी विद्वता से प्रभावित होकर ही विद्वतजनों ने इन्हें 'भारतेन्दु' की उपाधि प्रदान की। अपनी उच्चकोटि के लेखन कार्य के माध्यम से ये दूर–दूर तक जाने जाते थे। इनकी कृतियों का अध्ययन करने पर आभास होता है कि इनमें कवि, लेखक और नाटककार बनने की जो प्रतिभा थी, वह अदभुत थी। ये बहुमुखी प्रतिभा से सम्पन्न साहित्यकार थे।

कृतियाँ

यद्यपि भारतेन्दु जी विविध भाषाओं में रचनायें करते थे, किन्तु ब्रजभाषा पर इनका असाधारण अधिकार था। इस भाषा में इन्होंने अद्भुत शृंगारिकता का परिचय दिया है। इनका साहित्य प्रेममय था, क्योंकि प्रेम को लेकर ही इन्होंने अपने 'सप्त संग्रह' प्रकाशित किए हैं। प्रेम माधुरी इनकी सर्वोत्कृष्ट रचना है।

भारतेन्दु जी अत्यन्त कम अवस्था से ही रचनाएँ करने लगे थे। इन्होंने नाटक के क्षेत्र में भी अत्यन्त महत्त्वपूर्ण योगदान प्रदान किया है। इनके द्वारा प्रेममालिका (1871), प्रेम माधुरी (1875), प्रेम–तरंग (1877), अंधेर नगरी, कृष्णचरित्र, भारत दुर्दशा (1875), साहित्य हरिश्चंद्र (1876) सहित अनेक साहित्य, नाटक और रचनाएं लिखी गई।

साहित्यिक सेवाएँ

हरिश्चन्द्र जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। अतः उन्होंने साहित्य के हर क्षेत्र में काम किया है। कविता, नाटक, निबन्ध, व्याख्यान आदि पर उन्होंने कार्य किया। 'सुलोचना' आपका प्रमुख आख्यान है। 'बादशाह दर्पण' आपका इतिहास की जानकारी प्रदान करने वाला ग्रन्थ है। इन्होंने संयोग का बड़ा ही सजीव एवं सुन्दर चित्रण किया है–

रोकत है तो अमंगल होय, और प्रेम नसै
जो कहैं प्रिय जाइए।
जो कहें जाहु न, तो प्रभुता,
जो कछु न कहैं तो सनेह नसाइए।
जो हरिश्चन्द्र कहैं, तुमरे बिन,
जियें न तो यह क्यों पतियाइए।
तासो पयान समै तुझसौं हम का कहैं
प्यारे हमें समझाइए।।

भारत की विभिन्नता पर खिन्नता व्यक्त की है–

भारत में सब भिन्न अति,
ताहीं सों उत्पात।
विविध बेस मतहूं विविध
भाषा विविध लखात।

हिन्दी के उत्थान के लिए कहना है कि–

अंग्रेज़ी पढ़ कै जदपि,
सब गुन होत प्रवीन।
पै निज भाषा ज्ञान बिन
रहत हीन कै हीन।

हिन्दी की प्रतिष्ठा करते हुए वे कहते हैं कि–

निजभाषा उन्नति अहै,

सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के
मिटे न हिय को सूल।

प्रगतिशील लेखक

भारतेन्दु हरिश्चंद्र जी ने भक्ति प्रदान एवं श्रृंगारयुक्त रचनाएँ की हैं। उनमें अपने देश के प्रति बहुत बड़ी निष्ठा थी, उन्होंने सामाजिक समस्याओं के उन्मूलन की बात की है, उनकी भक्ति प्रधान रचनाएँ घनानंद एवं रसखान की रचनाओं की कोटि की हैं। उन्होंने संयोग की अपेक्षा वियोग पर विशेष बल दिया है। वे स्वतंत्रता प्रेमी एवं प्रगतिशील विचारक व लेखक थे। उन्होंने मां सरस्वती की साधना में अपना धन पानी की तरह बहाया और साहित्य को समृद्ध किया। उन्होंने अनेक पत्र–पत्रिकाओं का सम्पादन किया। जीवन का अन्तिम दौर आर्थिक तंगी से गुजरा, क्योंकि धन का उन्होंने बहुत बड़ा भाग साहित्य समाज सेवा के लिए लगाया। ये भाषा की शुद्धता के पक्ष में थे। इनकी भाषा बड़ी परिष्कृत एवं प्रवाह से भरी है। भारतेन्दु जी की रचनाओं में इनकी रचनात्मक प्रतिभा को भली प्रकार देखा जा सकता है।

सभी विधाओं में लेखन

भारतेन्दु जी ने अपनी प्रतिभा के बल पर हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान प्रदान किया है। हिन्दी गद्य साहित्य को इन्होंने विशेष समृद्धि प्रदान की है। इन्होंने दोहा, चौपाई, छन्द, बरवै, हरि गीतिका, कवित्त एवं सवैया आदि पर काम किया। इन्होंने न केवल कहानी और कविता के क्षेत्र में कार्य किया अपितु नाटक के क्षेत्र में भी विशेष योगदान दिया। किन्तु नाटक में पात्रों का चयन और भूमिका आदि के विषय में इन्होंने सम्पूर्ण कार्य स्वयं के जीवन के अनुभव से सम्पादित किया है।

साहित्य में योगदान

निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि हरिश्चन्द्र बहुमुखी प्रतिभा से सम्पन्न थे। उन्होंने समाज और साहित्य का प्रत्येक कोना झाँका है। अर्थात साहित्य के सभी क्षेत्रों में उन्होंने कार्य किया है। किन्तु यह ख़ेद का ही विषय है कि 6 जनवरी 1885 को 35 वर्ष की अल्पायु में ही वे स्वर्गवासी हो गये थे। यदि ऐसा न होता तो सम्भवतः हिन्दी साहित्य का कहीं और ज़्यादा विकास हुआ होता। यह उनके व्यक्तित्व की ही विशेषता थी कि वे कवि, लेखक, नाटककार, साहित्यकार एवं सम्पादक सब कुछ थे। हिन्दी साहित्य को पुष्ट करने में आपने जो योगदान प्रदान किया है वह सराहनीय है तथा हिन्दी जगत आप की सेवा के लिए सदैव ऋणी रहेगा। इन्होंने अपने जीवन काल में लेखन के अलावा कोई दूसरा कार्य नहीं किया। तभी तो 35 वर्ष की अल्पायु में ही 72 ग्रन्थों की रचना करना सम्भव हो सका था। इन्होंने छोटे एवं बड़े सभी प्रकार के ग्रन्थों का प्रणयन किया है। इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार में इनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है और अपने कार्यों से इन्होंने हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में सदा के लिए स्थायी रूप से स्थान बनाया है। अपनी विशिष्ट सेवाओं के कारण ही ये आधुनिक हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल के प्रवर्तक कहे जाते हैं।

अतः यह कहा जा सकता है कि बाबू हरिश्चन्द्र जी हिन्दी साहित्य के आकाश के एक दैदीप्यमान नक्षत्र थे। उनके द्वारा हिन्दी साहित्य में दिया गया योगदान महत्त्वपूर्ण एवं सराहनीय है।

प्रेरक प्रसंग

गाँधीजी की हाजिर जवाबी

जब महात्मा गाँधी लंदन के विश्वविद्यालय में पढते थे तो वहाँ के एक प्रोफेसर जिसका नाम पीटर्स था। (वह अपने पूर्वाग्रह के कारण यह मानता था कि काले लोग न तो बुद्धिमान होते हैं और न ही सम्मान पाने के अधिकारी) वह गाँधीजी को पसंद नहीं करता था और उनके प्रति हमेशा शत्रुतापूर्ण व्यवहार करता था। उनके बीच तर्क–वितर्क तथा भिड़ंत ही होती रहती थी। उसकी अपेक्षा के अनुसार गाँधीजी ने कभी उसको सम्बोधित करते समय अपना सिर नहीं झुकाया था।

एक दिन पीटर्स विश्वविद्यालय के भोजनालय में दोपहर का भोजन कर रहा था, उसी समय गाँधीजी भी भोजन करने के लिए वहाँ पहुंच गए और पीटर्स की मेज पर ही एक तरफ कुर्सी पर बैठ गए। उन्हें देखते ही पीटर्स ने कहा– ''मिस्टर गाँधी! तुम समझते नहीं हो, एक सुअर और एक चिड़िया एक साथ बैठ कर भोजन नहीं कर सकते।''

गाँधीजी ने उसे इस प्रकार देखा मानो कोई एक अभिभावक अपने असभ्य बच्चे को देखता हो, उन्होंने शान्ति से कहा– प्रोफेसर! आपको चिन्ता करने की कोई आवश्यकता नहीं हैं, मैं उड़ सकता हूँ।'' और वे दूसरी टेबल पर जाकर बैठ गए।

इससे पीटर्स तिलमिला गया और उसने निश्चय किया कि अगले टेस्ट में इस अपमान का बदला लूंगा, लेकिन गाँधीजी ने सभी प्रश्नों के उत्तर बहुत अच्छे ढंग से सही–सही दिए। इससे वह और भी दुखी तथा कुण्ठित हुआ। उसने अगला प्रश्न पूछा– ''मिस्टर गाँधी! तुम एक गली में से जा रहे हो और तुम्हें वहाँ दो पैकेट दिखाई दे, जिसमें से एक में धन और दूसरे में बुद्धि हो, तो तुम कौन से पैकेट को उठाओगे?''

बिना किसी हिचकिचाहट के गाँधीजी ने उत्तर दिया– ''निस्संदेह मैं धन वाला पैकेट उठाऊंगा।''

पीटर्स व्यंगपूर्ण हंसी हंसता हुआ बोला– ''यदि मैं तुम्हारी जगह होता तो बुद्धि वाला पैकेट उठाता।''

गाँधीजी ने उपेक्षा से सिर हिलाया और उदासीन भाव से कहा– ''जिसके पास जिस वस्तु की कमी होती है, वह उसे ही उठाना पसंद करता है।''

पीटर्स उस समय क्रोध से उबल रहा था। उसने गाँधीजी की उत्तर पुस्तिका पर लिखा– ''मूर्ख'' और गाँधीजी को दे दिया। गाँधीजी ने उत्तर पुस्तिका को लिया और अपनी सीट पर बैठ गए। उन्होंने अपने आपको बहुत मुश्किल से संयत और शान्त रख कर अपने प्रत्युत्तर पर विचार किया। कुछ मिनट विचार करने के बाद वे प्रोफेसर के पास जाकर बोले–''मिस्टर पीटर्स! आपने मेरी उत्तर पुस्तिका पर अपने हस्ताक्षर तो कर दिए, मगर मुझे कोई ग्रेड नहीं दिया ?

हमारा स्वास्थ्य

बीमारियों का घर : मोटा शरीर

◆ स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

नियमित एक्सरसाइज मोटापा दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। व्यायाम न केवल आपका वजन कम करता है अपितु आपके स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव डालता है। विवेकपूर्ण डायटिंग के साथ व्यायाम करके आप आसानी से अपने शरीर का वजन घटा सकते हैं।

मोटापे का मतलब केवल एक बेडौल और थुलथुल शरीर ही नहीं है, बल्कि खुद को लोगों के उपहास का केन्द्र बनाना भी है। अत्यधित भावुक लोग अकसर लोगों की टिप्पणियों को मन से लगा लेते हैं तथा हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। यही हीन भावना अनेक मानसिक रोगों को भी जन्म देती है। वहीं डॉक्टरों के अनुसार मोटा शरीर अनेक बीमारियों का पिटारा होता है। उच्च रक्तचाप, ब्लड कोलेस्ट्रॉल अधिक होना और हृदय रोग जैसी समस्याओं के लिए मोटापा एक खुला निमंत्रण है। दूसरी ओर मोटा व्यक्ति प्रायः पराश्रित हो जाता है क्योंकि थोडा–सा ही काम करने पर उनकी सांस फूलने लगती है। कुछ लोगों को श्वसन तंत्र में संक्रमण और हर्निया जैसी बीमारियां भी हो जाती है।

आजकल अधिकतर लोग मोटापा दूर करने के लिए डायटिंग का सहारा लेते हैं, बिना यह जाने कि डायटिंग उनके लिए फायदेमंद है या नुकसानदायक। जल्दी से पतला होने की ललक में अकसर लोग किसी भी चीज का त्याग करने को तैयार हो जाते हैं तो उनके लिए जानलेवा भी हो सकता है। यों भी विभिन्न शोध बताते हैं कि डायटिंग करते हुए जब हम वजन कम करने की कोशिशि करते हैं तो उसका हमारे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। डायटिंग करने का एक मुख्य परिणाम रक्तचाप कम होना होता है। यही नहीं प्रायः यह भी देखा गया है कि भूखे रहने के बाद जब भी हम कुछ खाते हैं तो वह हमारी सामान्य खुराक से अधिक होता है। इसलिए बिना सोचे–समझे की गई डायटिंग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक ही होती है।

नियमित एक्सरसाइज मोटापा दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। व्यायाम न केवल आपका वजन कम करता है अपितु आपके स्वास्थ्य पर भी अच्छा प्रभाव डालता है। विवेकपूर्ण डायटिंग के साथ व्यायाम करके आप आसानी से अपने शरीर का वजन घटा सकते हैं।

पैदल चलना सबसे प्रभावशाली तथा सरल व्यायाम है जिसे करने के लिए आपको अलग से समय निकालने की भी जरूरत नहीं होती। इस व्यायाम को आपकी दिनचर्या में आसानी से शामिल किया जा सकता है। पार्क में या रास्ते में कहीं भी यह व्यायाम किया जा सकता है। यदि आपका घर बस स्टेण्ड के नजदीक है तो तेज कदमों से बस स्टैंड तक का रास्ता तय करना लाभदायक हाता है। साथ ही लिफ्ट की बजाए सीढ़ियों का प्रयोग करना भी वजन कम करने में मददगार होता है। बाजार जाने के लिए कार या स्कूटर से जाने की अपेक्षा पैदल जाना ही उचित रहता है। प्रतिदिन यदि केवल एक घंटा पैदल चलने का नियम बना लें तो जल्द ही आश्चर्यजनक परिणाम सामने आते हैं।

कुछ लोगों में शरीर के किन्हीं विशेष भागों में चर्बी का जमाव अन्य भागों की अपेक्षा अधिक होता है। इसके लिए प्रातः जल्दी जग कर एक्सरसाइज करने के साथ यह जरूरी है कि आप जान लें कि शरीर के किस हिस्से से कितनी अतिरिक्त चर्बी घटानी है। ऐसी समस्या महिलाओं में पुरूषों की तुलना में अधिक पाई जाती है।

कई लोगों में निकली हुई तोंद परेशानी का कारण होती है। पूरी तरह फिट तथा स्लिम रहने के बावजूद इस हिस्से पर चर्बी घटाने की जरूरत होती है। आपकी तोंद निकली है या नहीं इसके लिए एक साधारण प्रयोग किया जा सकता है। इसके लिए सीधे खड़े होकर अपने पैरों को देखने की कोशिश करें। ऐसा करने पर यदि आप अपने पैर न देख सकें तो समझ लें कि आपको तोंद पर से चर्बी हटाने की जरूरत है। इसके लिए स्नीकर्स पहनकर कार्डियो–वस्कुलर एक्सरसाइज करना फायदेमंद होता है। इसे 30–40 मिनट की अवधि के लिए हफ्ते में कम से कम तीन बार करें। बाद में धीरे–धीरे इसे बढ़ाकर हफ्ते में छः बार भी किया जा सकता है।

कार्डियोवस्कुलर वर्कआउट्स

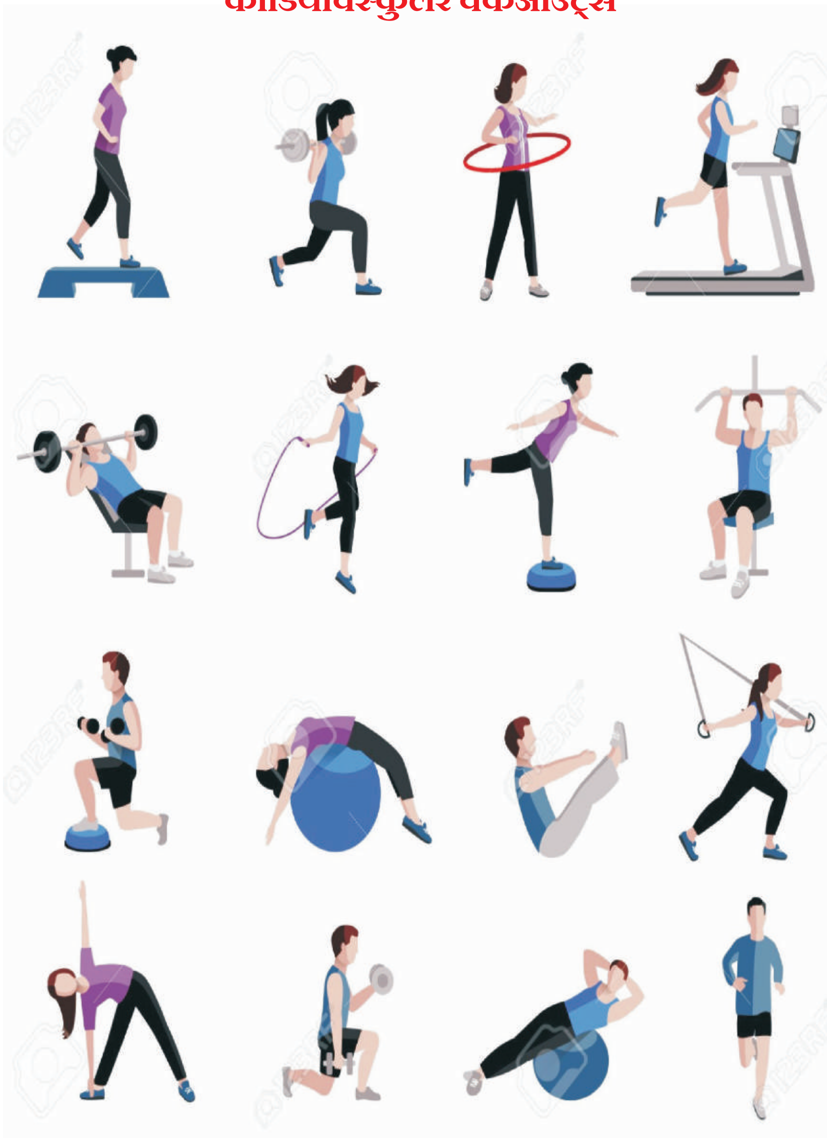

एक्सरसाइज के साथ–साथ कुछ अन्य बातों का पालन भी आपकी मदद कर सकता है। जैसे दिन में तीन बार भारी भोजन करने की बजाए मिनी मील्स की अवधारणा अपनाएं अर्थात् दो–तीन घंटे के अंतर पर थोड़ा–थोड़ा भोजन करें। शरीर में जहरीले तत्वों का जमाव भी वजन बढ़ाता है, इसलिए इन तत्वों को दूर करने के लिए दिन में कम से कम आठ गिलास पानी जरूर पिएं। अपने खानपान से तेल, चीनी, एल्कोहल तथा अन्य शीतल पदार्थों को निकालना भी जरूरी है। कच्चे फलों तथा सब्जियों का सेवन ज्यादा लाभकारी होगा।

बाहरी जांघों पर से चर्बी हटाने के लिए हफ्ते में तीन बार 30–40 मिनट के लिए कार्डियोवस्कुलर वर्कआउट्स किया जाना चाहिए। धीरे धीरे इसे बढ़ाकर हफ्ते में छः दिन कर दें। यहाँ यह बात ध्यान में रखना जरूरी है कि जल्दी पतला होने के चक्कर में जरूरत से ज्यादा हम एक्सरसाइज कभी न करें। अंदरूनी जांघों को संतुलित करने के लिए इनर थाई टोनर को घुटने के पास रखें फिर पैरों को अंदर की ओर भीचे और ढ़ीला छोड दें।

झुके हुए गोल कंधे सभी को बुरे लगते हैं इन्हें ठीक करने के लिए सिर्फ उठने–बैठने की सही मुद्रा ही काफी नहीं बल्कि कंधे की स्ट्रेचिंग भी जरूरी है। इसके लिए रेजिस्टेस बैंड को ठीक तरह पकडें, कंधों को पीछे की ओर खींचे तथा कोहनियों को नीचे दबाएं। इसके बाद बैंड को नीचे और छोड़ें।

पूरी काया छरहरी होने के बावजूद कुछ लोगों में बाहों के ऊपरी भाग के पिछला हिस्से पर चर्बी का जमाव ज्यादा होता है। इसे दूर करने के लिए पैरों को सीधा रखते हुए थोडा–सा आगे झुककर खड़े हो जाएं। फिर हल्के वेट्स उठाते हुए हाथों को मोड़ें और खोलें। ऐसा करते हुए अपनी बाहों के पिछले हिस्से को एकदम कड़ा कर लीजिए। नियमित रूप से ऐसा करने से आपके ट्राइसेप्स हल्के हो जाएंगे।

मोटापा कम करने के लिए अपने आहार पर भी एक नजर डालना जरूरी है। यह जरूरी है कि आपके भोजन में चर्बीयुक्त खाद्य पदार्थों की बजाए ऐसे खाद्य पदार्थ हों जो विटामिन तथा प्रोटीन से भरपूर हों। मसालेदार, तली हुई तथा मैदे से बनी हुई चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। तुलसी के पत्तों के रस में शहद मिलाकर सेवन करने से भी मोटापा नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

मोटापा दूर करने के लिए चाहे जो उपाय अपनाएं सबसे ज्यादा जरूरी है कि आपकी सोच सकारात्मक हो। आप सभी अपने मोटापे को लेकर निराशावादी न हों। अपका आशावादी दृष्टिकोण आपको अपने लक्ष्य तक जल्दी पहुंचा सकता है।

नोट : उपलब्ध सभी सामग्री केवल पाठकों की जानकारी और ज्ञानवर्धन के लिए दी गई है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी मुहैया कराना मात्र है। चिकित्सक की सलाह का कोई विकल्प नहीं है।

पर्यटन स्थल

भीलवाड़ा

भीलवाड़ा मूलतः वस्त्र नगरी के रूप में विख्यात है। राजस्थान का सातवां, सबसे बड़ा शहर भीलवाड़ा, नो सौ साल पुराना है। एक कथा के अनुसार, यहाँ पर "भिलाड़ी" नाम से सिक्के ढाले जाते थे, उसी के नाम पर इसका नाम भीलवाड़ा पड़ा। दूसरी कथा के अनुसार यहाँ की भील जाति ने, महाराणा प्रताप की मुगलों के विरूद्ध युद्ध में सहायता की थी, तो इसका नाम भील–बाड़ा, भीलों का क्षेत्र – भीलवाड़ा रखा गया।

बदनोर फोर्ट

भीलवाड़ा में मध्ययुगीन भारतीय वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण बदनोर किला स्थित है। सात मंजिला, चौड़ा यह किला एक छोटी सी पहाड़ी पर बना हुआ है। भीलवाड़ा से 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित भीलवाड़ा ब्यावर रोड़ पर स्थित है। बदनोर किले के परकोटे के भीतर कई छोटे स्मारकों और मंदिरों के भी दर्शन किये जा सकते हैं।

बागोर साहिब

बागोर साहिब एक ऐतिहासिक गुरूद्वारा है जहां श्री गुरू गोविन्द सिंह जी पंजाब की यात्रा पर जाते समय ठहरे। यह गुरूद्वारा तहसील मांडल के गांव बागोर में मांडल शहर से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित है। यहाँ की यात्रा से दसवें सिख गुरू, श्री गुरू गोविन्द सिंह जी की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त होता है।

चामुण्डा माता मंदिर

चामुंडा माता मंदिर हरनी महादेव की पहाड़ियों पर स्थित है। शिखर पर पहुँचने के बाद, पूरे शहर का विहंगम दृश्य देखने को मिलता है। यह स्थान, भीलवाड़ा से सिर्फ 5 किलोमीटर दूर है, यदि आप सुकून की तलाश में हैं तो यह स्थान सर्वथा उपयुक्त है।

मेनाल जल-प्रपात

भीलवाड़ा से 80 कि.मी. दूर, कोटा रोड पर नैशनल हाइवे 27 पर मेनाल अपने अलौकिक, नैसर्गिक वैभव के कारण, हजारों की संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। इस झरने के पास महानालेष्वर शिवालय है। चारों तरफ जंगलों से घिरा मेनाल का झरना, दूर दराज क्षेत्रों से आने वाले तथा विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है। 150 फीट गहरी खाई में गिरने वाली इसकी जलधारा, बड़ी जोर की आवाज करती है और देखने वालों की नजर वहाँ से नही हटती। मेनाल में शिव जी का अत्यन्त सुन्दर, वैभवशाली मंदिर है।

बिजोलिया

भीलवाड़ा जिले का शहर बिजोलिया यहाँ के श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ अतिषय तीर्थक्षेत्र, और मंदाकिनी मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। मंदाकीनी मंदिर परिसर में तीन शिव मंदिर है, जिसमें से एक हजारेश्वर महादेव का मंदिर भी है। यहां एक जल कुण्ड भी है। यह अपनी आकर्षक कला और वास्तुकला के लिए पर्यटकों में लोकप्रिय है। तीर्थांकर पार्श्वनाथ को समर्पित, श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ अतिशय तीर्थक्षेत्र 2700 वर्षों पहले का माना जाता है।

शाहपुरा

भीलवाड़ा से 55 कि.मी. दूर शाहपुरा कस्बा है। यह चार दरवाजे वाली दीवार से घिरा, राम स्नेही संप्रदाय के अनुयायियों के लिए सन् 1804 में स्थापित तीर्थस्थान है। इस पंथ का एक पवित्र मंदिर है जिसे रामद्वारा कहा जाता है, इस रामद्वारा के मुख्य पुजारी ही इस पंथ–सम्प्रदाय के मुखिया है। पूरे वर्ष देशभर से तीर्थयात्री इस मंदिर की यात्रा करने आते हैं। यहाँ पांच दिन के लिए फूल डोल मेला के रूप में जाना जाने वाला वार्षिक मेला फाल्गुन शुक्ला (मार्च–अप्रैल) में आयोजित किया जाता है। शाहपुरा के उत्तरी भाग में एक विशाल महल परिसर है, जो छज्जों, मीनारों और छतरियों द्वारा सुशोभित है। इसके ऊपरी भाग से रमणीय झील और शहर के सुंदर दृश्य को देखा जा सकता है। प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी केसरी सिंह, जोरावर सिंह और प्रताप सिंह बारहठ शाहपुरा के थे। त्रिमूर्ति स्मारक, बारहठ जी की हवेली, जो अब राजकीय संग्रहालय में परिवर्तित कर दी गई है। शाहपुरा पारंपरिक फड़ चित्रकला के लिए भी जाना जाता है।

जहाजपुर

भीलवाड़ा से 90 किमी दूर जहाजपुर स्थित है। शहर के दक्षिण में एक पहाड़ी के ऊपर एक विशाल किला गहरी खाई के साथ खड़ी दो प्राचीरों और उस पर अनगिनत बुर्जों के साथ समूह रूप में दिखाई पड़ता है। ऐसा माना जाता है कि यह मेवाड़ की सीमाओं की रक्षा के लिए राणा कुंभा द्वारा बनाये गये किलों में से एक है। गांव में शिव को समर्पित मंदिरों का एक समूह है, जिसे बारह देवरा कहते हैं। किले में भी कुछ मंदिर हैं, जिसमें एक सर्वेष्वर नाथ जी को समर्पित प्राचीन मंदिर है। जहाजपुर मुनिष्वरनाथ को समर्पित एक महत्वपूर्ण जैन मंदिर के लिए विख्यात है।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'वन संरक्षक व ग्राम्य कार्यकर्ता' दक्षता बैजों की जानकारी दी जा रही है।

वन संरक्षक
FORESTER

बालकों को वन संपदा और उसकी विविधता से अवगत कराने और इसके महत्व बताते हुए इन्हे बचाने के लिए किये जाने वाले उपायों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से वन संरक्षक दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। वन संपदा व संरक्षण से अवगत कराना और वन्य जीवन की जानकारी प्रदान कराना इस बैज का अहम् हिस्सा है। वन संरक्षक दक्षता बैज का पाठ्यक्रम–

(1) 'वन' की आधारभूत विचारधारा, भारत में इसके विस्तार तथा वर्तमान संदर्भ में इसके महत्व को जानना।

(2) प्रायोगिक अवलोकन के आधार पर छोटे पौधों को बड़ा करने, इनके लिए मिट्टी को तैयार करने, पौधशाला की क्यारियों, प्लास्टिक की थैलियों आदि की जानकारी हो तथा पौधों में स्थान बदलने का समय एवं काटने व छाटने के सही मौसम की जानकारी हो।

(3) वृक्षों की जीवन प्रक्रिया तथा वृक्षों की अपनी जाति के विस्तार करने की प्रक्रिया का ज्ञान हो। वृक्षों के घावों तथा उनके उत्पन्न होने के कारणों के बारे में जानकारी हो।

(4) स्थानीय 12 प्रकार के विभिन्न वृक्षों के उगने एवं विकसित होने की जानकारी हो और उनको किसी भी मौसम में पहचानने, इसी प्रकार उनकी छाल, पत्तियों, फूलों और फलों, औषध, इमारती लकड़ी तथा अन्य उपयोगों के सम्बन्ध में उनके तत्सम्बन्धी मुख्य उपयोग जाने।

(5) जंगल की आग व इसके लगने के कारण तथा उससे बचाव करने के उपायों की जानकारी हो।

(6) पौधे तैयार करने (रेज़्ड प्लान्टेशन) की प्रारम्भ से लेकर एक वर्ष तक देखभाल करना।

(7) सामाजिक वानिकी, कृषि वानिकी, सड़कों के किनारे वृक्षारोपण, कुंज वृक्षारोपण (एवेन्यू प्लान्टेशन) का प्रारम्भिक ज्ञान हो और सामाजिक वानिकी कार्य में काम आने वाली 10 वृक्ष जातियों की जानकारी हो।

(8) 'कटाव' होने, इसके कारणों तथा कटाव रोकने के उपायों की व्यावहारिक जानकारी हो।

(9) किसी निर्धारित वृक्ष में उपयोगी इमारती लकड़ी की मात्रा का अनुमान लगा सके।

ग्राम्य कार्यकर्ता
RURAL WORKER

भारत गाँवों का देश है। गाँवों की विभिन्न जानकारियों, कार्यक्रमों व कार्य प्रणाली की जानकारी ग्राम्य कार्यकर्ता दक्षता बैज उत्तीर्ण करने का मुख्य आधार है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए ग्राम्य कार्यकर्ता दक्षता बैज का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। विवरण निम्नानुसार है –

(1) गांव के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करें, जैसे कि– क्षेत्रफल, जनसंख्या, व्यवसाय, उत्पाद, कुएँ और जल–प्रदाय के अन्य साधन, परम्पराएँ, विद्यालय जाने योग्य बच्चों की संख्या, साक्षर लोगों की संख्या।

(2) गाँव की स्वच्छता (विशेषकर रोकी जा सकने वाली बिमारियों से सम्बन्धित) ग्राम–प्रशासन और ग्राम–पंचायत के बारे में सामान्य जानकारी रखें।

(3) अनवरत (निरन्तर) चलने वाली सेवाओं का विवरण प्रस्तुत करें, जैसे– साक्षरता, प्रौढ़ शिक्षा, स्वास्थ्य तथा स्वच्छता, कृषि, श्रम कार्य, मद्यनिषेद, खेल आदि। ये सेवाएँ कम से कम छः माह तक फैली हो, अथवा कम से कम 15 दिन तक किसी मान्यता प्राप्त ''ग्राम श्रम शिविर'' में कार्य किया हो।

(4) कम से कम 50 लोगों को कुष्ठ–कीटाणुओं की जाँच करवाने में सहायता करें।

(5) कम से कम 20 बच्चों को रोग निरोधक टीके लगवाने में मदद की हों।

(6) न्यूनतम 6 माताओ को ''जीवन रक्षक घोल'' तैयार करने की विधि सिखलाए।

(7) अपने गाँव/मौहल्ले या कच्ची बस्ती में नेत्र–सुरक्षा, दंत–सुरक्षा अभियान का आयोजन करें।

(8) अपने पड़ोसियों को औरतों के अतिसार तथा पेचिश या पतले दस्त का सही उपचार करवाने व सही देखभाल करने के लिए शिक्षित करें।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
शिक्षक दिवस	ग्रुप/स्थानीय संघ पर	05.09..2024
प्रेसिडेन्ट रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत नं. 01	02 से 06.09.2024
उद्योग पर्व सप्ताह	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	07 से 14.09.2024
विश्व साक्षरता दिवस	ग्रुप स्तर	08..09.2024
स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	06 से 12.09.2024
स्काउटर/गाइडर एडवांस कोर्स	मण्डल स्तर पर	06 से 12.09.2024
श्री गणेश जी मेला	सवाईमाधोपुर	07.09.2024
रीजनल लेवल मिनी जम्बूरी(सेन्ट्रल वेस्टर्न रीजन)	झुन्झुनू	08 से 12.09.2024
रामदेवरा मेला सेवा शिविर	पोकरण, जैसलमेर	10 से 14.09.2024
विश्व ओजोन दिवस– वार्ताएं	सभी स्तर	16.09.2024
गाइडर अध्ययन शिविर	मण्डल स्तर पर	18 से 20.09.2024
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत	21 से 25.09.2024
राज्य स्तरीय जनजाति महोत्सव	बांसवाड़ा	20 से 24.09.2024
जिला स्तरीय प्रतियोगिता रैलियां (प्रथम चरण)	जिला स्तर	30.09.2024 तक
कब/बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.09.2024 तक
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	प्रति माह
गांधी/शास्त्री जयन्ती– प्रार्थना सभा	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	02.10.2024
षष्ठर प्रशिक्षण (कब/बुलबुल) एवं कब/बुलबुल उत्सव	जिला स्तर	01 से 03.10.2024
प्रकृति अध्ययन शिविर	ग्रुप स्तर पर	04 से 06.10.2024
राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड अनुशंषा शिविर	जिला/मण्डल स्तर	14 से 16.10.2024
राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर अनुशंषा शिविर	मण्डल स्तर	17 से 19.10.2024
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.10.2024
दशहरा मेला सेवा शिविर	मण्डल कोटा	22 से 26.10.2024

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
National Level Trekking cum Environment Awareness Programme for Rovers, Rangers and Unit Leaders	20 - 26 September. 2024	Raiwala (Haridwar), Uttarakhand

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
Course for Assistant Leader Trainer 2024	23 - 29 October, 2024	Sarawak, Malaysia
International Rover Week, Winter 2025	28 Dec., 2024-04 Jan., 2025	Kandersteg, Switzerland
26th Australian Jamboree (AJ2025)	06 - 15 January 2025	Maryborough in Queensland
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal

National Headquarters website : www.bsgindia.org

स्वाधीनता दिवस समारोह

स्वाधीनता दिवस पर सी.ओ. स्काउट झुन्झुनू महेश कालावत को उल्लेखनीय कार्य करने पर जिला कलक्टर श्रीमती चिन्मयी गोपाल एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजर्षि राज वर्मा सम्मानित करते हुए

स्वाधीनता दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय गतिविधि 10वी श्रीलंका राष्ट्रीय जंबूरी में राजस्थान दल से प्रतिनिधित्व करने पर श्री महेंद्र कुमार नरवाल यूनिट लीडर मॉडल स्कूल जैतारण एवं स्काउट तरुण वैष्णव राज पब्लिक स्कूल जैतारण को जिला स्तरीय सम्मान समारोह में केबिनेट मंत्री श्री अविनाश गहलोत, ब्यावरविधायक श्री शंकर सिंह रावत, जिला कलक्टर श्री उत्सव कौशल, सभापति श्री नरेश कनौजिया सम्मानित करते हुए।

बांसवाड़ा के स्काउटर श्री दिग्पाल सिंह राठौड़ राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय कुशलगढ़, गाइडर श्रीमती शबनम शेख राजकीय नूतन उच्च माध्यमिक विद्यालय बांसवाड़ा तथा रोवर श्री रितिक सुथार 55 वां प्रताप ओपन रोवर क्रू बांसवाड़ा को स्काउटिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य के लिए संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज कुमार पवन, आईजी श्रीमती एस.परिमला, जिला कलक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव, पुलिस अधीक्षक श्री हर्षवर्धन अग्रवाल, जिला प्रमुख श्रीमती रेशम मालविया, सभापति नगर परिषद श्री जैनेंद्र त्रिवेदी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करते हुए।

स्वतंत्रता दिवस पर राजसमंद में जिला स्तरीय समारोह में सम्मानित होते हुए स्काउटर श्री प्रेम राज मीणा

स्वतंत्रता दिवस के चूरू जिला स्तरीय समारोह में सम्मानित होते हुए स्थानीय संघ रतनगढ सचिव श्री नरेंद्र कुमार स्वामी

जिला बारां के स्वाधीनता दिवस मुख्य समारोह की परेड में प्रथम स्थान प्राप्त स्काउट विंग के दल नायक सम्मानित होते हुए

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर पर पौधारोपण करते हुए प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti https://rajscoutguide.org/